छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

बुधवार 16 सितंबर 2026

वर्ष-07, अंक-258

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

24 कैरेट गोल्ड और 3.8 लाख के हीरों से सजे 48 किलो के गणपति: देखने के लिए लगी भक्तों की भीड़

नई दिल्ली। गणेश चतुर्थी का उत्सव देशभर में बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। भक्त बप्पा की विभिन्न रूपों, आकारों और सजावटों में पूजा-अर्चना कर रहे हैं। इसी बीच हैदराबाद में स्थापित गणेश प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। तेलंगाना में हैदराबाद के बेगमबाजार क्षेत्र में स्थित फीलखाना में स्थापित स्वर्ण गणेश प्रतिमा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त उमड़ रहे हैं।लगभग 48 किलोग्राम वजनी यह प्रतिमा अपनी अनूठी सजावट से सभी को मंत्रमुग्ध कर दे रही है। आयोजकों ने बताया कि प्रतिमा पर 24 कैरेट शुद्ध सोने की परत चढ़ाई गई है ।

जम्मू-कश्मीर में टूटी आतंक की कमर, सालभर में सिर्फ 1 नया आतंकी,

नई दिल्ली। सुरक्षा स्थिति नियंत्रण में है। स्थानीय भर्ती में भारी गिरावट एक सकारात्मक बदलाव दिखाती है। सालभर में महज एक स्थानीय लड़का ही आतंक में शामिल हुआ।रक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर की मौजूदा सुरक्षा स्थिति को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय सेना के लगातार प्रयासों के चलते जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति कुल मिलाकर नियंत्रण में है। स्थानीय आबादी विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। सरकार और भारतीय सेना की ओर से चलाए जा रहे कई कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भागीदारी कर रही है।

ऑटिज्म में स्टेम सेल थेरेपी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र से मांगा क्लिनिकल ट्रायल का पूरा ब्योरा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के लिए स्टेम सेल थेरेपी के क्लिनिकल ट्रायल का पूरा ब्योरा मांगा है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि जनवरी में आए फैसले के बाद से क्या ऐसे ट्रायल के लिए कोई आवेदन मिला है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी जानना चाहा है कि जो मरीज पहले से ही इस विवादित इलाज से गुज़र रहे हैं, उन्हें रेगुलेटेड रिसर्च फ्रेमवर्क में लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 29 सितंबर को होगी।जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने मंगलवार (15 सितंबर) को केंद्र को ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एस्ड) के लिए स्टेम सेल थेरेपी के सभी मंजूर या प्रस्तावित क्लिनिकल ट्रायल का ब्योरा पेश करने का निर्देश दिया।

बेटे की 8 लाख रुपये महीना सैलरी, फिर भी पिता को बेघर करने पर उतारू

नई दिल्ली। तेलंगाना के करीमनगर में एक बुजुर्ग दंपति ने अपने ही घर के सामने धरना देकर बेटे पर घर खाली कराने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। उन्हें बेघर होने का डर सता रहा है। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।बेटे की 8 लाख रुपये महीना सैलरी, फिर भी पिता को बेघर करने पर तेलंगाना के करीमनगर के कोथिरामपुर में एक बुजुर्ग दंपति संपत्ति विवाद को लेकर अपने ही घर के सामने विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, दंपति का बेटा उन पर घर खाली करने का दबाव डाल रहा है। जम्मीकुंटा मंडल के वाविलाला गांव के निवासी देवुलपल्ली लक्ष्मण 2010 में सेवानिवृत्त हुए थे। उनका एक बेटा रविकुमार और एक बेटी है।दंपति ने बताया इंजीनियर के रूप में काम करता है और लगभग 8 लाख रुपये प्रति माह कमाता है।

दिल तो पागल है से तुझे देखा तो ये जाना सनम तक... मलेशियाई पीएम की बॉलीवुड गानों के साथ BRICS समिट पोस्ट वायरल

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

18वें BRICS समिट के बाद मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की बॉलीवुड प्लेलिस्ट सोशल मीडिया पर चर्चा में है। उन्होंने भारत दौरे की अलग-अलग तस्वीरों और वीडियो के साथ बॉलीवुड के मशहूर गाने लगाए हैं।हर तस्वीर के लिए चुना गया गाना उसके मौके से जुड़ा नजर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दूसरे नेताओं के साथ अपनी रील पर अनवर इब्राहिम ने शाहरुख खान और काजोल की फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का गाना 'तुझे देखा तो ये जाना सनम' लगाया।

मोदी के साथ एक दूसरी तस्वीर पर शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर की फिल्म 'दिल तो पागल है' का टाइटल सॉन्ग इस्तेमाल किया।

पुतिन के साथ लगान का 'चले चलो'

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोटो पर अनवर इब्राहिम ने आमिर खान की फिल्म 'लगान' का 'चले चलो' गाना लगाया। इस गाने के जरिए भी साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।अपनी तस्वीरों पर 'हर दिल जो प्यार करेगा'संबोधित करते हुए अपनी तस्वीरों के साथ अनवर ने सलमान खान, रानी मुखर्जी और प्रीति जिंटा की फिल्म 'हर दिल जो प्यार करेगा' का गाना लगाया।

ईरानी राष्ट्रपति के साथ 'साथी हाथ बढ़ाना'

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के साथ मुलाकात की तस्वीर पर अनवर ने 1957 की फिल्म 'नया दौर' का 'साथी हाथ बढ़ाना' गाना लगाया। यह गाना साथ मिलकर आगे बढ़ने का संदेश देता है।समिट के डिनर में किशोर कुमार का मशहूर गाना 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत...' गाया था। साथ ही उन्होंने मुकेश का गीत दोस्त दोस्त ना रहा... भी गुनगुनाया।अनवर ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया ङ्क के अकाउंट पर शेयर किया। उन्होंने लिखा था- गुरु, थोड़ा सा गाने की इजाजत है? वीडियो करीब डेढ़ मिनट का है।ख्वाब हो या तुम कोई हकीकतज गाने के दौरान झूमते हुए भी नजर आए। ख्वाब हो या तुम कोई हकीकतज गाने के दौरान झूमते हुए भी नजर आए।मलेशिया के पीएम पहले भी किशोर कुमार के फैन होने की बात कह चुके हैं। उन्होंने 2024 में भारत में एक इंटरव्यू के दौरान भी यही गीत गुनगुनाया था।

इसके अलावा, फरवरी 2026 में पीएम मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान उन्होंने एक आधिकारिक वीडियो मोंटाज साझा किया था। इसमें 'कभी खुशी कभी गम' का लोकप्रिय गाना 'बोले चूड़ियां' इस्तेमाल किया गया था।

प्रकरण में की गई कार्रवाई से भी अवगत कराया जाए

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के शीघ्र एवं नियमानुसार निराकरण के निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें बारी-बारी से सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा प्रस्तुत आवेदनों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार परीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई करते हुए आवेदनों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध कार्रवाई करते हुए आवेदकों को उनके प्रकरण में की गई कार्रवाई से भी अवगत कराया जाए।

जनसुनवाई में नागरिकों द्वारा विभिन्न व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। जनसुनवाई में 18 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें सूचना का अधिकार के तहत जानकारी उपलब्ध नहीं कराने, वन अधिकार पटटा की भूमि पर अन्य लोगों द्वारा कब्जा कर खेती करने, रिकार्ड दुरुस्ति, अनुदान राशि दिलाने, अनुकंपा नियुक्ति, भूमि आबंटन, सार्वजनिक निस्तार हेतु रास्ता दिलाने आदि आवेदन शामिल हैं। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों का समुचित परीक्षण कर पात्रता एवं नियमानुसार कार्रवाई करने तथा अनावश्यक विलंब से बचने के निर्देश दिए।

अमेरिका ने पहली बार माना- स्पेस में हथियार तैनात किए

कौन से वेपन, कब भेजे गए अभी सीक्रेट, अंतरिक्ष में युद्ध का खतरा बढ़ा

एजेंसी ➤ वॉशिंगटन

अमेरिका ने पहली बार माना है कि उसने अंतरिक्ष में हथियार तैनात कर रखे हैं। अमेरिकी वायुसेना के सचिव ट्रॉय मिंक ने सोमवार इसकी जानकारी दी।उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास ऑर्बिट में ऐसे हथियार हैं, जिनका इस्तेमाल जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सैनिकों को दुश्मन के हमले से बचाने के लिए किया जा सकता है।अमेरिकी अधिकारी ने यह नहीं कहा कि ये हथियार आखिर किस तरह के हैं, कितने हैं ।

अमेरिका के खुलासे से उलटा नुकसान भी संभव

अमेरिका लंबे समय से रूस और चीन की बढ़ती अंतरिक्ष सैन्य ताकत को लेकर चिंता जताता रहा है। आज के युद्ध में सैटेलाइट बहुत जरूरी हो गए हैं।सेनाएं इनका इस्तेमाल आपस में संपर्क करने, रास्ता पता करने, खुफिया जानकारी जुटाने और मिसाइलों पर नजर रखने जैसे कामों में करती हैं।

पटना समेत इन शहरों से होकर गुजरेगी हाई-स्पीड ट्रेन

बिहार में बुलेट ट्रेन का डीपीआर तैयार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

बिहार में हाई-स्पीड रेल यानी बुलेट ट्रेन का इंतजार अब आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। दिल्ली से वाराणसी और आगे पटना होते हुए सिलीगुड़ी तक हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी विकसित करने की योजना पर काम तेज हो गया है। राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट रेल मंत्रालय को सौंपे जाने की जानकारी सामने आई है। परियोजना को गति देने के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की तैनाती की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।केंद्र सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में सात नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को ग्रोथ कनेक्टर के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। इनमें दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी कॉरिडोर शामिल हैं। योजना के मुताबिक दिल्ली-वाराणसी यात्रा करीब 3 घंटे 50 मिनट और वाराणसी-सिलीगुड़ी सफर करीब 2 घंटे 55 मिनट में पूरा करने का लक्ष्य है। पटना से सिलीगुड़ी की यात्रा करीब 2 घंटे में होने का अनुमान है।वहीं दिल्ली से सिलीगुड़ी पहुंचने में करीब 6 घंटे 45 मिनट लगने का अनुमान है।

क्या है 'हब-एंड-स्पोक' सिस्टम, एअर इंडिया से इमिग्रेशन में कहां हुई चूक

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

एअर इंडिया की हब-एंड-स्पोक प्रणाली में बड़ी इमिग्रेशन चूक के बाद गृह मंत्रालय आज शाम 7 बजे उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक करेगा। इसमें एअर इंडिया के नियमों के उल्लंघन, विशेषकर 'ष्ठ' कैटेगरी बोर्डिंग पास धारकों के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में प्रवेश और निगरानी में कमी पर चर्चा होगी। बैठक में भविष्य के सुरक्षा उपायों और जवाबदेही तय करने पर जोर दिया जाएगा।

यह पूरा मामला 3 इटालियन नागरिकों से जुड़ी है। तीनों 4 सितंबर को अमृतसर से दिल्ली आए और बिना किसी इमिग्रेशन जांच के दिल्ली एयर पोर्ट से सीधे म्यूनिख चले गए। जानकारी के मुताबिक, तीनों यात्री रात करीब 12:50 बजे अमृतसर से एअर इंडिया की फ्लाइट-ढ्ढ-1115 से दिल्ली पहुंचे थे। 1 बजकर 45 मिनट पर वे लुफ्थांसा की फ्लाइट में सवार होकर म्यूनिख चले गए।

दरअसल, अमृतसर उन एयरपोर्ट में शामिल है, जहां 'हब-एंड-स्पोक मॉडल' लागू किया है। जहां विदेश जाने के लिए यात्री इमिग्रेशन प्रक्रिया पूरी करते हैं और फिर इंटरनेशनल फ्लाइट से उड़ान भरते हैं। 'हब-एंड-स्पोक' सिस्टम के तहत देश में बनारस, अहमदाबाद और अमृतसर में यात्रियों को यह विशेष सुविधा मिली है।

क्या है 'हब-एंड-स्पोक' सिस्टम ?

'हब-एंड-स्पोक' सिस्टम के तहत यात्रा करने वाले यात्रियों को पहले छोटे एयरपोर्ट से एक बड़े हब एयरपोर्ट तक ले जाया जाता है। ये तीनों यात्री अमृतसर से दिल्ली पहुंचे थे।लाइट के लिए ष्ठ (घरेलू) बोर्डिंग पास जारी किए गए थे।

यूपी-राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश का अलर्ट

केदारनाथ यात्रा फिर शुरू, बिना हेलमेट एंट्री नहीं

बिहार में 5 नदियां खतरे के निशान के ऊपर

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

केदारनाथ यात्रा फिर से शुरू हो गई है। चीरवासा के पास क्षतिग्रस्त रास्ते से अब 200-200 यात्रियों को सुरक्षित आगे भेजा जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए बिना हेलमेट किसी को भी आगे जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। चीरवासा में करीब 100 मीटर का क्षेत्र डेंजर जोन में आता है। यहां कभी भी लैंडस्लाइड होने का खतरा बना हुआ है।वहीं, बिहार में 15 जिलों में 49.67 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य की 5 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 22 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है।मौसम विभाग ने यूपी के 72 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड के बाद 128 लोगों को सुरक्षित जगह भेजा गया

सिक्किम के ग्यालशिंग जिले के रिंबी इलाके में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के बाद 28 घरों के 128 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया है। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, 14 सितंबर को भारी बारिश और बाढ़ के बाद इलाके का दोबारा जायजा लिया गया।इसके बाद लोगों को रिंबी ग्राम पंचायत केंद्र में शिफ्ट किया गया। सिंगलिटाम में सात प्रभावित परिवारों के लिए राहत केंद्र बनाया गया है। यहां 33 से ज्यादा लोग रह रहे हैं, जिनमें बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

सेवा संकल्प अभियान:17 सितंबर को बलौदाबाजार में जलेगा आशीर्वाद का दीया

बलौदाबाजार। जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में 17 सितंबर की संध्या 7 बजे पूरे जिले में ग्रामीण और शहरी स्तर पर एक साथ दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। आयोजन को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में दीया वितरण का कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है। बलौदाबाजार स्थित चौपाटी (तालाब परिसर) में मुख्य आयोजन होगा। यहाँ तालाब के चारों ओर दीप प्रज्वलन के लिए अलग-अलग सेक्टर गठित किए गए हैं।साथ शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में भी सामूहिक रूप से दीये जलाए जाएंगे। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल ने बताया कि इस पहल को जन-जन तक पहुँचाने के लिए गाँवों में मुनादी कराई जा रही है, ताकि हर नागरिक इस अभियान का हिस्सा बन सके।गाँव से लेकर शहर तक आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं और ग्रामीणों के बीच दीयों का वितरण निर्बाध रूप से जारी है।

कुएं में मिली लाश, पैरों से बंधा था पत्थरों का बोरा

सूरजपुर- छत्तीसगढ़ के सूरजपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने आत्महत्या कर लिया है। युवक ने आत्महत्या के लिए जो तरीका अपनाया है वो हैरान कर देने वाला है। उसने पहले पत्थरों से भरे बोरे को रस्सी से अपने पैरों में बांध लिया और फिर कुएं में कूद गया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान कल्याणपुर गांव निवासी सुमेर सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुमेर पहले भी दो बार अपनी जान देनी की कोशिश कर चुका था। एक बार उसने फांसी लगाने का प्रयास किया था, लेकिन पेड़ का डंगाल टूटने कि वजह से वह बच गया था। दूसरी बार उसने कुएं में कूदकर जान देने की कोशिश की, लेकिन तैरने आने की वजह से वह बच गया था। सुमेर ने इस बार बड़े प्लानिंग से पैरों को रस्सी और पत्थर से बांधकर कुएं में छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं पुलिस ने बताया कि सुमेर सनकी प्रवृत्ति का व्यक्ति था, जिसकी गांव के लोगों से नहीं बनती थी। फिलहाल पुलिस ने मामले कि जांच में जुटी हुई है।

सेल्फी के चक्कर में हाथी से पंगा...हाईवे पर ऐसा नजारा दिखा

कोरबा। कटघोरा वन मंडल के केंदई रेंज में इन दिनों एक लोनर नर हाथी लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। हाथी बार-बार जंगल से निकलकर हाईवे पर पहुंच रहा है, जिससे यातायात बाधित हो रहा है। सोमवार शाम हाथी पहले कटघोरा-अंबिकापुर हाईवे पर चोटिया के पास काफी देर तक घूमता रहा। इसके बाद वह कोरबी स्टेट हाईवे स्थित माटिन दाई मंदिर क्षेत्र तक पहुंच गया। हाथी को सड़क पर देखकर राहगीरों और आसपास मौजूद लोगों में उत्सुकता बढ़ गई। कई लोग उसका वीडियो बनाने और फोटो खींचने लगे। कुछ लोग तो हाथी के बेहद करीब पहुंचकर सेल्फी लेने का प्रयास करने लगे। इससे स्थिति अचानक खतरनाक हो गई। द्यह्यश्व ऋद्भुस्त्र - तीजा मनाने गया था परिवार, सूने घर में चोरों ने बोला धावा ज़्यादा जानें राजनीतिक खेल समाचार कवरेज सिटी गाइड खोजें प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लोगों के लगातार करीब आने से हाथी आक्रामक हो गया और अचानक कुछ लोगों की ओर दौड़ पड़ा। हाथी को अपनी ओर आता देख वीडियो बना रहे लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कुछ देर के लिए हाईवे का नजारा ऐसा हो गया, मानो सड़क पर दौड़ प्रतियोगिता चल रही हो। गनीमत रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। हाथी के सड़क पर आने से वाहनों की लंबी कतार लग गई। वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद थी। टीम ने सायरन बजाकर हाथी को धीरे-धीरे जंगल की ओर खदेड़ा, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। रेंजर अभिषेक दुबे ने बताया कि क्षेत्र में करीब 32 हाथियों का दल घूम रहा है। इनमें से अलग हुआ अकेला नर हाथी अधिक आक्रामक हो सकता है।

तब छत बचाने की चिंता, अब सपने सजाने की खुशी

तब3 सपनों पर मजबूरी का पहरा, अब3 चिंता की जगह चेहरे पर चमक

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने कुसुम बाई के सपने को दी नई पहचान

एक सत बुलेटिन ➤ धमतरी

कभी बारिश की बूंदें घर की छत से टपकती थीं और मिट्टी की दीवारों में बनी दरारें परिवार की चिंता बढ़ा देती थीं। बरसात की हर रात इस डर के साथ गुजरती थी कि कहीं कमजोर दीवार या छत कोई परेशानी न खड़ी कर दे। आज वही घर एक मजबूत, पक्का और सुरक्षित आशियाना बन चुका है। यह बदलाव है ग्राम पंचायत जी जामगांव, जनपद पंचायत कुरुद की श्रीमती कुसुम बाई के जीवन काकृजहां एक घर ने सिर्फ पता नहीं बदला, बल्कि परिवार के जीवन में भरोसा, सुरक्षा और सम्मान की नई रोशनी भर दी।

तब सपनों पर मजबूरी का पहरा

श्रीमती कुसुम बाई का परिवार लंबे समय तक सीमित आमदनी के बीच जीवन यापन करता रहा। परिवार की आय का मुख्य साधन मजदूरी था। रोज कमाना और उसी से परिवार के भोजन, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और दूसरी जरूरतें पूरी करनाकृइसी में पूरी आमदनी खर्च हो जाती थी। पुश्तैनी कच्चे मकान में परिवार किसी तरह गुजर-बसर करता था। मिट्टी की दीवारों में चूहों के बिल, सीलन और बरसात में टपकती छत परेशानी का कारण बनती थी। बारिश के दिनों में घर के भीतर पानी टपकने से सामान बचाना और परिवार को सुरक्षित रखना चुनौती बन जाता था। ऐसे में पक्का मकान बनाना परिवार के लिए लंबे समय से देखा जा रहा सपना था, लेकिन आर्थिक परिस्थितियां उस सपने को हकीकत में बदलने की इजाजत नहीं देती थीं।

फिर योजना बनी उम्मीद की किरण

वर्ष 2025-26 में पात्रता के आधार पर श्रीमती कुसुम बाई का चयन प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास निर्माण के लिए हुआ। चयन की जानकारी मिलते ही परिवार के वर्षों पुराने सपने को जैसे पंख मिल गए। जनपद पंचायत द्वारा आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में उन्हें आवास निर्माण की प्रक्रिया, योजना के प्रावधान, सहायता राशि तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण के संबंध में आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन दिया गया। इसके बाद आवास निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ी और देखते ही देखते वह सपना, जिसे परिवार ने वर्षों तक सिर्फ कल्पना में देखा था, ईंट, गारे और मजबूत दीवारों के साथ आकार लेने लगा।

अब चिंता की जगह चेहरे पर चमक

आज श्रीमती कुसुम बाई अपने परिवार के साथ पक्के और सुरक्षित आवास में रह रही हैं। अब बारिश की बूंदों से घर के भीतर पानी आने का डर नहीं, मिट्टी की कमजोर दीवारों की चिंता नहीं और न ही हर मौसम में आशियाने की सुरक्षा को लेकर बेचैनी।पक्का घर उनके लिए केवल चार दीवारें और एक छत नहीं है। यह परिवार की सुरक्षा, बच्चों के बेहतर भविष्य, आत्मसम्मान और स्थिर जीवन की मजबूत नींव है। कुसुम बाई के चेहरे की खुशी मानो खुद कहती हैकृ÷जिस पक्के घर का सपना कभी दूर लगता था, आज वही मेरा अपना आशियाना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से अपने जीवन में आए इस बदलाव से खुश श्रीमती कुसुम बाई को जब मालूम हुआ कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन है, तो उन्होंने उन्हें अपने नए आशियाने से दिल से जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं।प्रधानमंत्री जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने गरीब परिवारों के लिए पक्का घर देने का सपना पूरा किया है। मैं ईश्वर से कामना करती हूं।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से 150 मत्स्य पालकों ने बदली अपनी किस्मत

सेवा संकल्प अभियान - प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से 150 मत्स्य पालकों ने बदली अपनी किस्मत

दिनेश और हिमांशु ने मछली व्यवसाय में बनाई अपनी पहचान

एक सत बुलेटिन ➤ महासमुंद

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा में गांव, गरीब, किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं। इसी सोच के अनुरूप केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अब महासमुंद जिले के किसानों के लिए अतिरिक्त आमदनी, स्वरोजगार और रोजगार का मजबूत माध्यम बन रही है। धान की पारंपरिक खेती के साथ किसान मछली पालन, हैचरी और पाउंड लाइनर जैसी गतिविधियों को अपनाकर अपनी आय के नए स्रोत विकसित कर रहे हैं। जिले में करीब 150 किसान योजना का लाभ लेकर मछली पालन को व्यवसाय के रूप में अपना चुके हैं। सरकार से मिलने वाले अनुदान से तालाब निर्माण से लेकर हैचरी और अन्य मत्स्य गतिविधियों के लिए बुनियादी सुविधाएं विकसित हो रही हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।इसी बदलाव की मिसाल बिरकोनी निवासी किसान दिनेश चन्द्राकर हैं। पारंपरिक खेती में लागत बढ़ने के बाद उन्होंने मछली पालन की ओर कदम बढ़ाया। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत करीब 7.50 लाख रुपये की लागत से एक हेक्टेयर में तालाब खुदवाया। इसके पश्चात करीब 14 लाख रुपये की लागत से 20 हजार वर्गफुट में मछली हैचरी स्थापित की। सरकार से मिले अनुदान ने इस व्यवसाय को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मत्स्य पालक श्री दिनेश के मुताबिक हैचरी में मछली के बच्चों को तैयार कर तालाब में डाला जाता है। करीब 8 से 9 महीने में लगभग 15 टन मछली तैयार हो जाती है, जिसे मछुआरों के माध्यम से बाजार में बेचा जाता है। एक किलो मछली तैयार करने में करीब 70 से 80 रुपये की लागत आती है, जबकि बाजार में इसे 120 से 150 रुपये प्रति किलो तक बेचने से उन्हें अच्छी आमदनी हो रही है।इसी तरह ग्राम बकमा के किसान हिमांशु चंद्राकर ने भी प्रधानमंत्री मत्स्य योजना का लाभ लेकर करीब 28 लाख रुपये की लागत से दो पाउंड लाइनर यूनिट तैयार कराईं।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना से बुजुर्ग श्रमिक को मिला सम्मानजनक जीवन का सहारा

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना से बुजुर्ग श्रमिक को मिला सम्मानजनक जीवन का सहारा

सेवा संकल्प अभियान के तहत पात्र श्रमिकों तक पहुंच रही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी

एक सत बुलेटिन ➤ महासमुंद

धमतरी जिले के तहसील बेलरगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत घठुला निवासी श्री शत्रुघन साहू, पिता स्वर्गीय बिदे राम साहू, ने जीवन का अधिकांश समय मेहनत और श्रम के सहारे परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए बिताया। वे राजमिस्त्री के रूप में कार्य करते हैं और वर्ष 2011 से श्रम विभाग में पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं।

उम्र बढ़ने के साथ नियमित मजदूरी करना उनके लिए पहले की अपेक्षा कठिन होने लगा था। ऐसे समय में मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना उनके लिए आर्थिक संबल बनकर सामने आई। श्रमिक कार्ड के नवीनीकरण के लिए श्रम विभाग कार्यालय पहुंचने पर उन्हें विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा योजना की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके तथा कम से कम 10 वर्षों से मंडल में निर्माण श्रमिक के रूप में पंजीकृत सदस्य रहे पात्र श्रमिकों को योजना के तहत प्रतिमाह 1,500 रुपये पेंशन प्रदान की जाती है। योजना की जानकारी मिलने के बाद श्री साहू ने नियमानुसार आवेदन प्रस्तुत किया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात उन्हें प्रतिमाह 1,500 रुपये पेंशन प्राप्त होने लगी। अब तक उन्हें 16 किस्तें प्राप्त हो चुकी हैं। उनके लिए यह राशि केवल पेंशन नहीं, बल्कि जीवन के इस पड़ाव पर आत्मसम्मान और आर्थिक सुरक्षा का आधार है। श्री साहू बताते हैं कि मेहनत-मजदूरी के लंबे जीवन के बाद बुढ़ापे में नियमित आर्थिक सहायता मिलना उनके लिए बड़ी राहत है। पेंशन की राशि से वे अपनी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हो रहे हैं और छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भरता भी कम हुई है। वे कहते हैं कि सरकार की इस पहल ने उनके जैसे श्रमिकों को यह भरोसा दिया है कि जीवनभर मेहनत करने वाले श्रमिकों के बुढ़ापे की चिंता भी सरकार करती है।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना के अंतर्गत पेंशनधारी की मृत्यु होने की स्थिति में पात्र पति अथवा पत्नी को 50 प्रतिशत पेंशन दिए जाने का प्रावधान भी है। इससे श्रमिक परिवारों को भविष्य के लिए सामाजिक सुरक्षा का भरोसा मिलता है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की मंशा है कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी मिले और वे अपने अधिकारों एवं सुविधाओं से वंचित न रहें। श्री शत्रुघन साहू की कहानी इसी संकल्प का जीवंत उदाहरण है, जहां सही समय पर मिली जानकारी और विभागीय मार्गदर्शन ने एक श्रमिक परिवार के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का भाव मजबूत किया।

श्री साहू मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, जिला प्रशासन तथा श्रम विभाग केआभार व्यक्त करते हुए कहते हैं।

ट्रक ने बाइक को मारी जोरदार टक्कर

एक सत बुलेटिन ➤ कवर्धा

छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में कुकदूर-बजाग (मध्य प्रदेश) स्टेट हाईवे पर पोलमी के पास सोमवार को एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर से पहले बाइक चालक ने अचानक सड़क किनारे छलांग लगा दी, जिससे वह ट्रक की सीधी चपेट में आने से बच गया।

हादसे में बाइक सवार राजेंद्र और प्रशांत घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि दोनों युवक बाइक से सड़क से गुजर रहे थे।स्थिति को भांपते हुए बाइक चालक ने बिना समय गंवाए सड़क किनारे छलांग लगा दी। इसके कुछ ही क्षण बाद ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए और उसके परखचे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तत्काल घायलों को संभाला और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। द्यह्यश्व ऋद्भुस्त्र - तड़के सुबह पुलिस की दबिश, 6 संदिग्ध ठिकानों की तलाशी बाइक को टक्कर के बाद ट्रक भी पलटा बाइक को टक्कर मारने के बाद ट्रक क्रमांक क्क70 चञ्ज 0505 भी अनियंत्रित हो गया। बताया गया कि चालक ने ट्रक को नियंत्रित करने के लिए अचानक ब्रेक लगाया। इसके बाद ट्रक सड़क किनारे जाकर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक और हेल्पर भी बाल-बाल बच गए। घटना की सूचना मिलने पर कुकदूर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लिया है और मामले की विवेचना की जा रही है। हादसे के वास्तविक कारणों और वाहन की स्थिति की भी जांच की जा रही है। द्यह्यश्व

चालक की हालत नाजुक

ऋद्भुस्त्र - कलेक्टर ने नहीं प्यून ने काटा नए कार्यालय का फीता दो साल पुराना चालान भी लंबित जानकारी के अनुसार, इसी ट्रक के खिलाफ करीब दो साल पहले बिना परमिट परिवहन से संबंधित मामले में 5 हजार रुपये का चालान किया गया था। बताया जा रहा है कि यह चालान अब तक लंबित है। पुलिस और संबंधित विभाग द्वारा वाहन के दस्तावेजों तथा पूर्व रिकॉर्ड की भी जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल हादसे में किसी बड़ी जनहानि की सूचना नहीं है। बाइक सवार दोनों युवकों के घायल होने के बाद उन्हें उपचार के लिए भेजा गया है। पुलिस की जांच के बाद दुर्घटना की परिस्थितियों और जिम्मेदारी को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

गौरेला में दुकान न खोलने पर विवाद

10 आरोपियों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों से पीटा, पुलिस ने केस

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

गौरेला के गिरवर गांव में रात में किराने की दुकान नहीं खोलने की बात पर मारपीट का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, रात में राकेश राठौर, महेंद्र यादव और राजू यादव दुकान पर पहुंचे। उन्होंने जबरदस्ती दुकान खोलने को कहा।

रात होने की वजह से शिकायतकर्ता की बेटी लक्ष्मी यादव ने दुकान नहीं खोली, तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। सूचना मिलने पर शिकायतकर्ता और उसका भाई ओमप्रकाश यादव मौके पर पहुंचे। दोनों ने आरोपियों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद आरोपी वहां से चले गए।

अगले दिन 10 आरोपी घर में घुसे

शिकायतकर्ता के मुताबिक, अगले दिन राकेश राठौर, महेंद्र यादव, राजू यादव, राजन राठौर, संतोष राठौर, मुकेश राठौर, जतिन राठौर, सुरेश राठौर उर्फ चिल्लू, सूरज यादव और राहुल राठौर एक साथ उसके घर में जबरदस्ती घुस गए।आरोपियों ने पुरानी दुश्मनी और रात में दुकान नहीं खोलने की बात को लेकर ताना मारा। इसके बाद गाली-गलौज करते हुए शिकायतकर्ता के बेटे लक्ष्मण यादव पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

बीच-बचाव करने आए परिजनों से भी मारपीट

लक्ष्मण को बचाने के लिए शिकायतकर्ता, उसका भाई ओमप्रकाश यादव और बेटी लक्ष्मी यादव बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोपियों ने उनके साथ भी गाली-गलौज की और लाठी-डंडों व हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इस दौरान लक्ष्मी यादव को धक्का देकर गिरा दिया गया।

लक्ष्मण समेत तीन लोगों को चोट

मारपीट में लक्ष्मण यादव के सिर, पीठ और बाएं पैर में गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। शिकायतकर्ता के सिर, कोहनी, कलाई, कमर और कूल्हे पर चोट आई है। वहीं, ओमप्रकाश यादव के पैर के टखने में भी चोट लगी है।

गणेशोत्सव में बस्तर की महिलाओं का कमाल, इको-

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ के बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड स्थित तारापुर गांव की महिलाओं ने अपनी लगन और हुनर से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। मिट्टी के गणेश मूर्ति निर्माण सिद्धि स्व सहायता समूह की ग्रामीण महिलाओं ने इस गणेश चतुर्थी पर पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) प्रतिमाएं बनाकर महज कुछ हफ्तों में 1.80 लाख रुपये की बंपर कमाई की है। शांति नागवंशी, दसो भारती और रोमा नागवंशी के नेतृत्व में समूह की महिलाओं ने शुद्ध मिट्टी से बिना किसी हानिकारक केमिकल और कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल किए 52 मनमोहक गणेश प्रतिमाएं तैयार की थीं। द्यह्यश्व ऋद्भुस्त्र - तीजा मनाने गया था परिवार, सूने घर में चोरों ने बोला धावा ज़्यादा जानें प्रौद्योगिकी समाचार रिपोर्ट राजनीति स्थ्र्ष्ठ्ठद्य ह्द्ग2ह्य द्यद्गह्लह्य बाजार में आते ही इन पर्यावरण-हितैषी मूर्तियों की भारी मांग देखने को मिली और पूरा स्टॉक हाथों-हाथ बिक गया। ?समूह की सदस्य शांति नागवंशी ने खुशी जताते हुए कहती हैं कि अपनी मेहनत से गढ़ी मूर्तियों की पूजा होते देखना और स्वयं की कमाई हासिल करना उनके लिए किसी सपने के पूरा होने जैसा है। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग वे परिवार की जरूरतों को पूरा करने और बच्चों की शिक्षा में करेंगे। ?सीमित संसाधनों के बीच शुरू हुई तारापुर की इन महिलाओं की यह पहल न केवल पूरे जिले में सराही जा रही है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों की अन्य महिलाओं को भी आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दे रही है।

महामहिम राज्यपाल रमेन डेका द आई सी एफ ए आई, विश्वविद्यालय, रायपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में हुए सम्मिलित

सभी मंचासीन अतिथितियों का पुष्प गुच्छ से सम्मान किया गया

संवाददाता ➤ कुम्हारी

12 सितंबर 2026, द आई सी एफ ए आई, विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा विश्व विद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह का भव्य एवं गरिमापूर्ण आयोजन संपन्न हुआ । यह समारोह विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण अकादमिक अवसर होने के साथ-साथ उन विद्यार्थियों के जीवन का भी अविस्मरणीय पड़ाव बना, जिन्होंने अपने परिश्रम, अनुशासन और प्रतिभा के माध्यम से उच्च शिक्षा की महत्वपूर्ण यात्रा पूर्ण की है । दीक्षांत समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यपाल, महामहिम रमेन डेका की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष प्रतिष्ठा प्रदान की । उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा विशिष्ट अथिति के रूप में समारोह में उपस्थित रहे । साथ ही भारत सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (हस्क्र) के

सदस्य एवं प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. जी. सतीश रेड्डी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे । द आई सी एफ ए आई, विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) आर. पी. कौशिक, इसके साथ ही छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (ष्टत्रक्क्रष्ट) के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल जी विशेष अतिथि के रूप में समारोह में उपस्थित थे । द आई सी एफ ए आई विश्व विद्यालय, रायपुर के कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) आर. पी. कौशिक, कुलपति प्रो. (डॉ.) शिव दयाल पाण्डेय, शासी निकाय के सम्मानित सदस्य, कुलसचिव डॉ. आदित्य खरे, आमंत्रित अथितिगण, विभिन्न संकायों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, अभिभावकगण तथा उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी उपस्थित थे । दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन से व्यावसायिक एवं सामाजिक जीवन की ओर संक्रमण का प्रतीक है । इस अवसर पर विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ-साथ चरित्र, संवेदनशीलता, नैतिकता, नवाचार, अनुसंधान, उद्यमिता और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश देता है । समारोह का शुभारंभ निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार विशिष्ट अतिथियों एवं विश्वविद्यालय के गणमान्य पदाधिकारियों के आगमन से किया गया । इसके पश्चात् माननीय अतिथियों द्वारा दीक्षांत गणवेश धारण करने के उपरांत दीक्षांत शोभा यात्रा के साथ सभी गणमान्य अतिथियों ने दीक्षांत सभागार में प्रवेश किया । समारोह में वंदे मातरम्, राष्ट्रगान 'जन गण मन' तथा छत्तीसगढ़ के राजगीत 'अरपा पैरी के धार' की गरिमामयी प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ । इसके पश्चात् दीप प्रज्वलन के माध्यम से ज्ञान, प्रकाश और भारतीय ज्ञान -परंपरा के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया । एवं सभी मंचासीन अतिथियों का पुष्प गुच्छ से सम्मान किया गया । कुलपति द्वारा विश्व विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास, विद्यार्थियों की उपलब्धियों तथा भविष्य की अकादमिक दिशा पर प्रकाश डाला गया । उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप हम शिक्षा में बहुविषयकता, कौशल, अनुसंधान, नवाचार, भारतीय ज्ञान परंपरा, उद्यमिता और मूल्यपरक शिक्षा को निरंतर प्रोत्साहित कर रहे हैं । इसके पश्चात् विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के प्रति अपने दायित्वों, नैतिक मूल्यों तथा राष्ट्र एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व की शपथ दिलाई गई । कुलाधिपति की अनुमति एवं उपस्थिति में पात्र विद्यार्थियों को उनकी संबंधित उपाधियां प्रदान करने की प्रक्रिया संपन्न हुई इस क्रम में परीक्षा नियंत्रक द्वारा उपाधि प्राप्तकर्ताओं के नामों की घोषणा की गई । समारोह में कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) आर. पी. कौशिक ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक दृष्टि, मूल्यों तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपने आशीर्वचन के रूप में अपनी बात रखी । मुख्य वक्ता डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी, आत्मनिर्भरता तथा राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया ।

न्यूज इन शॉर्ट

पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही । थाना गौरेला क्षेत्र के ग्राम अंजनी में झाड़ियों में महिला का शव मिलने के मामले में पुलिस ने हत्या के आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी सुमित कुमार यादव (32) निवासी रूपौली यादव टोला, थाना रूपौली, जिला पूर्णिया (बिहार) को गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।पुलिस के अनुसार ग्राम अंजनी में झाड़ियों में महिला का शव पड़े होने की सूचना मिलने पर थाना गौरेला पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतिका की पहचान लक्ष्मी कुमारी, पति सुमित कुमार यादव, निवासी रूपौली, जिला पूर्णिया (बिहार) के रूप में हुई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार खिलारी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में टीम गठित कर आरोपी की पतासाजी शुरू की गई। विवेचना के दौरान सामने आया कि 9 सितंबर 2026 की रात करीब 2 बजे आरोपी ने अपनी पत्नी को कमरे में नहीं पाया। आसपास तलाश करने पर उसने पत्नी को उसके परिचित जितेन्द्र मंडल के साथ आपत्तिजनक परिस्थिति में देखा। पुलिस के मुताबिक इस बात से आक्रोशित होकर आरोपी जितेन्द्र मंडल को मारने के लिए दौड़ा, लेकिन जितेन्द्र वहां से भाग गया। इसके बाद आरोपी और उसकी पत्नी के बीच विवाद और झूमाझटकी हुई। इसी दौरान आरोपी ने लोहे के चाकू से पत्नी के गले पर वार कर दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद मृतिका का शव झाड़ियों में पड़ा मिला। जेपी एग्रोटेक के मजदूरों ने झाड़ियों में शव देखे जाने की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। प्रारंभ में आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से गलत कथन दिया था, लेकिन विवेचना के दौरान सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों से उसकी संलिप्तता उजागर हुई।

मामले में थाना गौरेला में अपराध क्रमांक 395/2026, धारा 103(1), 238(ख) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना जारी रखते हुए घटना से जुड़े अन्य तथ्यों एवं साक्ष्यों का संकलन किया जा रहा है।

दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना से गंगा साहू बनीं आत्मनिर्भर

बिलासपुर ब्यूरो शहर की रहने वाली गंगा साहू के जीवन में छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा संचालित ''दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना'' ने सकारात्मक बदलाव लाया है। योजना का लाभ मिलने से अब वे न केवल आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। योजना का लाभ मिलने से पहले श्रीमती गंगा साहू गृहणी थीं। उनका अधिकांश समय बच्चों की देखरेख और घर-गृहस्थी के कार्यों में व्यतीत होता था। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच स्वयं की आय का कोई साधन नहीं था। ऐसे में श्रम विभाग की दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना उनके लिए नई उम्मीद लेकर आई। शासन से प्राप्त सहायता के माध्यम से उन्हें ई-रिक्शा उपलब्ध हुआ। ई-रिक्शा संचालन से अब वे नियमित रूप से रोजगार प्राप्त कर अपनी आमदनी अर्जित कर रही हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहयोग दे रही हैं। श्रीमती गंगा साहू बताती हैं कि पहले वे केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थीं, लेकिन शासन की योजना से उन्हें रोजगार का अवसर मिला। आज वे अपने पैरों पर खड़ी होकर परिवार के खर्चों में हाथ बंटा रही हैं। उनके लिए यह योजना केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि ''आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ जीवन जीने का माध्यम'' बनी है। दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

श्रमजीवी पत्रकार संघ दुर्ग जिला द्वारा प्रेस क्लब ऑफ़ कुम्हारी परिसर में किया गया वृक्षारोपण

संवाददाता ➤ कुम्हारी

प्रेस क्लब ऑफ़ कुम्हारी परिसर में श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला दुर्ग ग्रामीण के अध्यक्ष ललित साहू तथा प्रेस क्लब ऑफ़ कुम्हारी के अध्यक्ष विक्रम शाह ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता प्रसारित करने के पावन उद्देश्य से फलदार और औषधीय वृक्षों को रोपित किया गया । श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला दुर्ग के अध्यक्ष ललित साहू ने इस संबंध में बताया कि सामाजिक सरोकार को प्राथमिकता देते हुए समाचारों के साथ ही जनहित के कार्यों में भी अपनी प्रतिबद्धता की बात कहा । उन्होंने यह भी कहा कि समस्त ब्लॉक और तहसील के क्षेत्र में संगठन के पदाधिकारियों के साथ वृक्षारोपण किया जाएगा । प्रेस क्लब ऑफ़ कुम्हारी अध्यक्ष विक्रमशाह ठाकुर ने इस विषय पर कहा कि प्रदूषण पूर्ण वातावरण को स्वच्छ रखने का सन्देश देने के उद्देश्य से ही वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसे एक अभियान का स्वरूप देते हुए आगे सतत बढ़ाया जायेगा क्योंकि एक पौधे से ही हजार वृक्ष पनपेंगे । कार्यक्रम में श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला दुर्ग के पदाधिकारी, पाटन ब्लॉक के पत्रकार साथी तथा प्रेस क्लब ऑफ़ कुम्हारी के समस्त पत्रकार साथी उपस्थित रहे ।

निर्दोष को हत्या के मामले मे दोसी ठहराये जाने पर ग्रामीणों के साथ त्रिलोक श्रीवास ने एस. एस. पी को सौपा ज्ञापन

बिलासपुर कांग्रेस नेता त्रिलोक श्रीवास सैकड़ो लोगों के साथ निर्दोष व्यक्तियों को न्याय दिलाने एसपी ऑफिस पहुंचे,, कांग्रेस नेता त्रिलोक चंद्र श्रीवास, राष्ट्रीय समन्वयक - अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी,,ढ्ढष्ट नई दिल्ली, प्रदेश अध्यक्ष-सर्वसेन समाज छत्तीसगढ़ आज ग्राम लोखंडी के पंच उपसरपंच सरपंच एक सैकड़ो ग्रामवासी एवं समाज के पदाधिकारी के साथ निर्दोष व्यक्तियों को न्याय दिलाने एसपी ऑफिस पहुंचकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रज़नेश सिंह को ज्ञापन दिया चर्चा किया, विदित हो कि दिनांक 7 सितंबर को तखतपुर विधानसभा के ग्राम लोखंडी एवं उसलापुर के युवाओं के बीच में आपसी वाद विवाद मारपीट हो गया था, जिसमें घायल युवक शेख इस्माइल की मृत्यु हो गई, इस पर पुलिस ने गिरफ्तारी करते हुए गांव के कुछ युवा जैसे कि प्रद्युम्न श्रीवास आदि को जो इस घटना मे शामिल ही नहीं थे आरोपी बना दिया है, उक्त वाद विवाद में प्रद्युमन श्रीवास्तव शामिल नहीं थे वह घायल व्यक्ति को सरपंच बलराम पटेल के बोलने पर सिम्स पहचाने 112 गाड़ी में छोड़ने गए थे, बाद में पुलिस ने उन्हें ही आरोपी बना दिया, इस अवसर त्रिलोक श्रीवास ने कहा कि किसी की भी मौत होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, जो लोग इस घटना में शामिल है उन्हें सजा मिले, दोषी व्यक्तियों को दंड मिले,वे लोग दोषी व्यक्तियों के पक्ष मे कतई नहीं है, परंतु निर्दोष व्यक्तियों को इसमें आरोपी ना बनाया जाए, उन्होंने यह भी कहा कि यदि प्रद्युम्न श्रीवास एवं अन्य वह युवा जो इस मामले में निर्दोष है, वह यदि इस घटना में शामिल रहते तो बाकी आरोपियों की तरह बाहर भाग जाते वह घायलों को पुलिस की गाड़ी 112 में अस्पताल पहुंचाने क्यों ले जाते, एवं घटना 7 सितंबर की थी तो संलिपित आरोपीगण की गिरफ्तारी 8 तारीख के 9 तारीख को हो जाता तो आज निर्दोष व्यक्ति परेशान नहीं होते, इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने कहा कि किसी भी सूरत मे निर्दोष व्यक्तियों को नहीं फंसाया जाएगा, सभीको न्याय मिलेगा, उन्होंने तत्काल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को इस पर जांच करने के लिए भी निर्देशित किया, इस अवसर पर, त्रिलोक चंद्र श्रीवास एवं ग्राम के सरपंच बलराम पटेल उप सरपंच बसंत गढ़वाल सेन समाज के सुरेंद्र श्रीवास चंद्रमणि श्रीवास मनोज श्रीवास, राजकुमार श्रीवास शुभम श्रीवास निखिल श्रीवास लोकेश श्रीवास नरेंद्र श्रीवास आशीष श्रीवास मनोहर श्रीवास सुदर्शन श्रीवास रामसनेही पटेल सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे

राइस मिल एसोसिएशन का सराहनीय कार्य रेडक्रॉस सोसायटी को दिए 5 लाख रुपए

संवाददाता ➤ बिलासपुर

जरूरतमंदों की सहायता और मानवीय सेवा के कार्यों में सहयोग के उद्देश्य से राइस मिल एसोसिएशन, बिलासपुर द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसायटी को 5 लाख रुपए की सहयोग राशि प्रदान की गई। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर एवं रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष संजय अग्रवाल से आज मंथन सभाकक्ष में मुलाकात कर सहयोग राशि का चेक सौंपा। कलेक्टर अग्रवाल ने राइस मिल एसोसिएशन द्वारा जनहित और मानवीय सेवा के कार्यों में दिए गए इस सहयोग के लिए पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता के लिए सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से प्राप्त सहयोग का उपयोग जरूरतमंद लोगों की सहायता एवं मानवीय सेवा के कार्यों में किया जाएगा। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भविष्य में भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर, राइस मिल एसोसिएशन के महामंत्री शिवशंकर अग्रवाल सहित आदित्य अग्रवाल, सुनील, अनिकेत, राजेश, श्रीतेश, तेजस उपस्थित थे।

गौरेला में दुकान न खोलने पर विवाद

10 आरोपियों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों से पीटा, पुलिस ने केस

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

गौरेला के गिरवर गांव में रात में किराने की दुकान नहीं खोलने की बात पर मारपीट का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, रात में राकेश राठौर, महेंद्र यादव और राजू यादव दुकान पर पहुंचे। उन्होंने जबरदस्ती दुकान खोलने को कहा।

रात होने की वजह से शिकायतकर्ता की बेटी लक्ष्मी यादव ने दुकान नहीं खोली, तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। सूचना मिलने पर शिकायतकर्ता और उसका भाई ओमप्रकाश यादव मौके पर पहुंचे। दोनों ने आरोपियों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद आरोपी वहां से चले गए।

अगले दिन 10 आरोपी घर में घुसे

शिकायतकर्ता के मुताबिक, अगले दिन राकेश राठौर, महेंद्र यादव, राजू यादव, राजन राठौर, संतोष राठौर, मुकेश राठौर, जतिन राठौर, सुरेश राठौर उर्फ चिल्लू, सूरज यादव और राहुल राठौर एक साथ उसके घर में जबरदस्ती घुस गए।आरोपियों ने पुरानी दुश्मनी और रात में दुकान नहीं खोलने की बात को लेकर ताना मारा। इसके बाद गाली-गलौज करते हुए शिकायतकर्ता के बेटे लक्ष्मण यादव पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

बीच-बचाव करने आए परिजनों से भी मारपीट

लक्ष्मण को बचाने के लिए शिकायतकर्ता, उसका भाई ओमप्रकाश यादव और बेटी लक्ष्मी यादव बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोपियों ने उनके साथ भी गाली-गलौज की और लाठी-डंडों व हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इस दौरान लक्ष्मी यादव को धक्का देकर गिरा दिया गया।

लक्ष्मण समेत तीन लोगों को चोट

मारपीट में लक्ष्मण यादव के सिर, पीठ और बाएं पैर में गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। शिकायतकर्ता के सिर, कोहनी, कलाई, कमर और कूल्हे पर चोट आई है। वहीं, ओमप्रकाश यादव के पैर के टखने में भी चोट लगी है।

घर मे घुस कर सोइ हुई महिला के साथ छेड़छाड़ करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता ➤ बिलासपुर

महिला से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को चकरभाठा पुलिस ने किया गिरफ्तार आरोपी ,पीड़िता के घर घुसकर बुरी नीयत से शरीर में फेर रहा था हाथ महिला द्वारा विरोध करने पर किसी को बताने पर जान से मारने की दिया था धमकी आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 74, 351(3) के तहत की गई कार्यवाही

नाम आरोपी -

रमाकांत सूर्यवंशी पिता पन्नालाल सूर्यवंशी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम सैदा थाना सकरी जिला बिलासपुर।

घटना का विवरण- इस प्रकार है कि प्रकरण के पीड़िता द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 14.09.2026 के सुबह 04-30 से 05-00 बजे के मध्य पीड़िता अपने घर के कमरे में सो रही थी उसी समय आरोपी रमाकांत सूर्यवंशी उसके कमरे में जाकर बुरी नीयत से उसके शरीर को छू रहा था पीड़िता की नींद खुली तो विरोध करने लगी जिस पर आरोपी द्वारा पीड़िता को किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दिया गया है कि रिपोर्ट पर थाना चकरभाठा में उक्त प्रकरण पंजीबद्ध कर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया त्वरित आरोपी की पतासाजी कर अभिरक्षा में लेकर घटना के सम्बन्ध में पूछताछ किया गया। पूछताछ पर आरोपी ने घटना कारित करना स्वीकार किया जिसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया है।

चकरभाठा पुलिस की जनअपील - सभी नागरिकों से निवेदन है कि अवैध कार्य में लिप्त अपराधियों की सूचना तुरंत स्थानीय थाना या डायल 112 पर दें।

दरभगुड़ा में वन संसाधन प्रबंधन समिति ने किया फलदार एवं बांस के पौधों का रोपण

एक सत बुलेटिन ➤ सुकमा

पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीणों की आजीविका को मजबूत करने की दिशा में वन विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दरभगुड़ा गांव में वन संसाधन प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से आम, कटहल और बांस के पौधों का रोपण किया। पौधरोपण के जरिए गांव में हरियाली बढ़ाने के साथ आने वाले समय में फलदार पौधों से ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने की पहल की जा रही है।डीएफओ अक्षय दिनकर भोंसले के निर्देशन में वन विभाग द्वारा गांवों में गठित वन संसाधन प्रबंधन समितियों को फलदार पौधों का वितरण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीणों की भागीदारी से पौधरोपण को बढ़ावा देना, वन संसाधनों का संरक्षण करना और स्थानीय स्तर पर हरित क्षेत्र का विस्तार करना है।

दरभगुड़ा में समिति के सदस्यों ने पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण और देखभाल की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। आम और कटहल जैसे फलदार पौधे भविष्य में ग्रामीण परिवारों के लिए उपयोगी होने के साथ अतिरिक्त आय का जरिया भी बन सकते हैं, जबकि बांस का पौधा स्थानीय जरूरतों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है।

पौधरोपण में वन संसाधन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सोन्दे लच्छा, कोषाध्यक्ष सोयम नोरेया और सचिव सोयम राजू सहित सदस्य कटतम भीमा, माड़वी कोसा, सोयम अनिल, मुचाकी कोसा, बाडसे हिरमा, सोयम कन्ना, सोयम मल्ले, कारम अजय, कारम एंका, सोयम मूत्ता और अडगे प्रसाद की सहभागिता रही।

वन विभाग की यह पहल ग्रामीणों को वन संरक्षण से जोड़ने के साथ 'पौधरोपण से संरक्षण और संरक्षण से आजीविका' की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल से आने वाले वर्षों में दरभगुड़ा गांव के आसपास हरियाली बढ़ने के साथ ग्रामीणों को इसके प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है।

बलरामपुर जिले में खुलेआम बिक रहा एक्सपायरी सामान खाद्य विभाग की निगरानी पर गंभीर सवाल

अवधि पार खाद्य सामग्री की बिक्री का आरोप, आम लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ का खतरा; जिम्मेदारों से ठोस कार्रवाई की मांग

एक सत बुलेटिन ➤ बलरामपुर

जिले में किराना दुकानों पर कथित रूप से एक्सपायरी अथवा समाप्ति तिथि पार कर चुके खाद्य पदार्थों की बिक्री किए जाने का मामला सामने आने से खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यदि अवधि पार खाद्य सामग्री वास्तव में बिक्री के लिए उपलब्ध है, तो यह आम उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ का मामला हो सकता है।दुकानों में बड़ी मात्रा में पैकेटबंद खाद्य सामग्री बिक्री के लिए रखी जाती है। ऐसे में इन उत्पादों की निर्माण तिथि, उपयोग की अंतिम तिथि, बैच नंबर, पैकेजिंग और गुणवत्ता की नियमित जांच बेहद जरूरी है।

जिंदगी से खिलवाड़ का आरोप, आखिर कहां है खाद्य विभाग ?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिले में खाद्य पदार्थों की नियमित जांच और दुकानों के निरीक्षण को लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम समय-समय पर अचानक जांच अभियान चलाए तो अवधि समाप्त हो चुके या संदिग्ध खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है, तो एक्सपायरी खाद्य सामग्री बाजार तक पहुंच कैसे रही है? वहीं यदि जांच व्यवस्था प्रभावी है तो नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई का असर जमीन पर क्यों नजर नहीं आ रहा?

कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

खाद्य पदार्थों की जांच और कार्रवाई को लेकर लोगों में यह

सवाल भी उठ रहा है कि कहीं विभागीय कार्रवाई केवल कागजी प्रक्रिया और औपचारिक निरीक्षण तक ही सीमित तो नहीं है। आम जनता की मांग है कि सिर्फ खानापूर्ति नहीं, बल्कि नियम तोड़ने वाले दुकानदारों के खिलाफ ठोस और प्रभावी कार्रवाई की जाए।

पूरे जिले में विशेष जांच अभियान की मांग

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं खाद्य सुरक्षा विभाग से मांग की है कि पूरे बलरामपुर जिले में विशेष एवं अचानक जांच अभियान चलाया जाए। किराना दुकानों और खाद्य सामग्री विक्रेताओं के यहां एक्सपायरी डेट, बिल, स्टॉक, पैकेजिंग और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की गहन जांच की जाए।लोगों ने मांग की है कि जहां भी अवधि समाप्त खाद्य सामग्री की बिक्री, गलत लेबलिंग, बिना बिल के स्टॉक या अन्य खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन पाया जाए, वहां नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। साथ ही संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उनकी जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सिर्फ नोटिस जारी करने के बजाय कानून के तहत ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।आम नागरिकों का कहना है कि खाद्य सुरक्षा से जुड़े मामले में लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जानी चाहिए।

पीएससी युवाओं के भविष्य के साथ खेल रहा, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं : आशीष

प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक ने लगाए गंभीर आरोप, कहा- 265 पदों के लिए 795 की जगह केवल 608 अभ्यर्थियों को बुलाया साक्षात्कार में

एक सत बुलेटिन ➤ बेमेतरा

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (पीएससी) की भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर सरकार और आयोग पर जमकर निशाना साधा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने आरोप लगाया कि पीएससी की कार्यप्रणाली से प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है और अभ्यर्थियों की शिकायतों का उचित निराकरण किए बिना आगे की प्रक्रिया जारी रखी जा रही है। प्रेस वार्ता में आशीष छाबड़ा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में पीएससी की भर्ती प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रेस वार्ता की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में पीएससी ने 265 पदों के लिए भर्ती निकाली थी। नियमानुसार मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों में पदों की संख्या के तीन गुना अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाना था। इस हिसाब से 265 पदों के लिए 795 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होना चाहिए था, लेकिन आयोग ने केवल 608 अभ्यर्थियों को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया। उन्होंने कहा कि 187 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। आयोग का कहना है कि इन अभ्यर्थियों ने न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त नहीं किए। लेकिन आयोग की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किन आधारों पर इन 187 अभ्यर्थियों को

न्यूनतम अर्हता से बाहर माना गया। छाबड़ा ने कहा कि दूसरी ओर अभ्यर्थी स्वयं दावा कर रहे हैं कि उन्होंने न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त किए हैं। ऐसे में आयोग को पूरे मामले में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन पर भी सवाल

प्रेस वार्ता में छाबड़ा ने वर्ष 2024 की मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रश्नों में समान अथवा सही उत्तर देने वाले अभ्यर्थियों को अलग-अलग अंक दिए गए, जबकि कुछ मामलों में गलत उत्तर देने वाले अभ्यर्थियों को भी अंक दिए जाने की बात सामने आई है। उन्होंने प्रश्न क्रमांक 5 का उदाहरण देते हुए कहा कि दो अभ्यर्थियों के उत्तर सही और समान होने के बावजूद एक को 2 में से शून्य अंक तथा दूसरे को 2 में से 2 अंक दिए गए। इसी तरह भक्ति माता से संबंधित प्रश्न में एक अभ्यर्थी द्वारा सही उत्तर लिखे जाने के बावजूद उसे 8 में से 3.5 अंक दिए गए, जबकि दूसरे अभ्यर्थी के गलत उत्तर पर भी अंक दिए गए। छाबड़ा ने छत्तीसगढ़ में होम रूल लीग की स्थापना से संबंधित प्रश्न का उल्लेख करते हुए कहा कि एक अभ्यर्थी ने सही उत्तर दिया और उसे 4 में से 2.5 अंक मिले, वहीं दूसरे अभ्यर्थी ने गलत उत्तर दिया, फिर भी उसे 4 में से 2.5 अंक दिए गए। उन्होंने कहा कि इस तरह की विसंगतियां मूल्यांकन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

साक्षात्कार स्थगित करने की मांग

पूर्व विधायक ने मांग की कि जब तक अभ्यर्थियों की शिकायतों और उत्तर पुस्तिकाओं से जुड़े विवाद का निराकरण नहीं हो जाता, तब तक साक्षात्कार प्रक्रिया स्थगित की जाए। उन्होंने कहा कि साक्षात्कार से पहले सभी अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि अभ्यर्थी स्वयं देख सकें कि उनकी कॉपियों का मूल्यांकन सही तरीके से हुआ है या नहीं। उन्होंने मांग की कि साक्षात्कार के लिए चयनित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त अन्य सभी अभ्यर्थियों को उनकी उत्तर पुस्तिकाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए मूल्यांकनकर्ताओं के स्पष्ट मापदंड तय किए जाएं और पीएससी मुख्य परीक्षा के मॉडल उत्तर भी जारी किए जाएं।

पुनर्मूल्यांकन और 1:3 अनुपात लागू करने की मांग

आशीष छाबड़ा ने कहा कि आयोग सभी अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन कराए तथा साक्षात्कार के लिए 1:3 के निर्धारित अनुपात का पालन करे। उन्होंने कहा कि यह किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि प्रदेश के उन युवाओं के भविष्य का सवाल है, जो वर्षों की मेहनत के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होते हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि पीएससी की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए और अभ्यर्थियों की शिकायतों का समयबद्ध तरीके से निराकरण किया जाए, ताकि किसी भी युवा के साथ अन्याय न हो। प्रेस वार्ता में मंगत साहू, प्रांजल तिवारी, मिथलेश वर्मा, सुमन गोस्वामी, झम्मन बघेल, मनोज शर्मा, जावेद खान, मोहित वर्मा सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्कूल के 100 मीटर दायरे में कथित अवैध शराब कारोबार!

छात्राओं की सुरक्षा पर सवाल, आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली कटघरे में

एक सत बुलेटिन ➤ रघुनाथनगर

बभनी रोड स्थित स्कूल के आसपास कथित रूप से अवैध शराब निर्माण और बिक्री का मामला स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों और अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल से लगभग 100 मीटर के दायरे में कुछ घरों में शराब बनाने और बेचने का कार्य किया जा रहा है, जिससे स्कूली बच्चों, विशेषकर छात्राओं को प्रतिदिन असुविधा और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चे घर से शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से स्कूल आते हैं, लेकिन स्कूल के आसपास कथित रूप से शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। कई अभिभावकों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूल के आसपास का माहौल बच्चों के अनुकूल नहीं दिखाई देता। शराब की गंध और नशे में घूमने वाले लोगों की मौजूदगी से छात्र-छात्राओं के साथ-साथ राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

सबसे बड़ा सवाल- स्कूल के आसपास ऐसा माहौल कैसे?

यदि स्थानीय लोगों के आरोप सही हैं, तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि स्कूल के आसपास इस तरह की गतिविधियां लंबे समय से कैसे संचालित हो रही हैं? क्या संबंधित विभागों को इसकी जानकारी नहीं है, या शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है?

ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल के सामने या उसके आसपास यदि इस प्रकार का कथित अवैध कारोबार संचालित हो रहा है, तो अन्य क्षेत्रों की स्थिति का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। इससे बच्चों के भविष्य और सुरक्षा दोनों पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं।

शाला प्रबंधन और विभागीय निगरानी पर भी उठे प्रश्न

इस पूरे मामले में शाला प्रबंधन की भूमिका को लेकर भी चर्चा हो रही है। अभिभावकों का कहना है कि यदि स्कूल के आसपास बच्चों के लिए प्रतिकूल वातावरण बन रहा है, तो संबंधित विभागों को अवगत कराकर कार्रवाई की मांग की जानी चाहिए।

वहीं, आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों के आसपास नियमित जांच अभियान चलाए जाने चाहिए, ताकि बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके।

प्रशासन से स्थानीय लोगों के 5 सवाल

1. क्या स्कूल के आसपास अवैध शराब निर्माण और बिक्री की जांच की गई है?
2. यदि शिकायतें मिली हैं, तो अब तक क्या कार्रवाई हुई?
3. स्कूल क्षेत्र में नियमित निरीक्षण क्यों नहीं किया जाता?
4. छात्राओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए क्या विशेष व्यवस्था है?
5. यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो दोषियों पर कब तक कार्रवाई होगी?

स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग तथा आबकारी विभाग से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि शिकायत सही पाई जाती है, तो संबंधित लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा किसी भी समाज की सबसे

विश्वकर्मा पूजा पर खुलेगा बैलाडीला का रास्ता, सैलानी देख सकेंगे खदानों का रोमांच

17 सितंबर को आम नागरिकों और पर्यटकों को मिलेगा प्रवेश, पहाड़, बादल, हरियाली और विशालकाय मशीनें रहेंगी आकर्षण का केंद्र

एक सत बुलेटिन ➤ दंतेवाड़ा

बैलाडीला की खूबसूरत पहाड़ियों और लौह अयस्क खदानों को करीब से देखने का इंतजार कर रहे सैलानियों के लिए अच्छी खबर है। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर 17 सितंबर को बैलाडीला खदान क्षेत्र आम नागरिकों और पर्यटकों के लिए खोले जाने की तैयारी है। कोरोना काल के बाद लंबे समय से खदान क्षेत्र में आम लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध था। अब एक बार फिर लोगों को बैलाडीला के प्राकृतिक सौंदर्य और खनन गतिविधियों को करीब से देखने का मौका मिलेगा।

विश्वकर्मा पूजा के दिन किरंदुल-बैलाडीला में सैलानियों की अच्छी खासी भीड़ पहुंचने की संभावना है। बादलों से घिरी पहाड़ियां, हरी-भरी वादियां, घुमावदार रास्ते और विशालकाय माइनिंग मशीनें पर्यटकों के लिए खास आकर्षण रहेंगी। कैलाश नगर स्थित भोलेनाथ मंदिर में दर्शन के साथ लोग बैलाडीला की खूबसूरत वादियों का भी आनंद ले सकेंगे।

संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, यातायात और पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी तैयारी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, एनएमडीसी की ओर से निर्धारित स्थानों से खदान क्षेत्र तक लोगों के लिए निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। इससे बड़ी संख्या में पहुंचने वाले पर्यटकों को सुविधा मिलने की उम्मीद है।

विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर खदान क्षेत्र में मशीनों और भारी उपकरणों की पूजा भी होगी। ऐसे में पर्यटकों को एक ही दिन में आस्था, प्रकृति और आधुनिक खनन तकनीक का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। दंतेवाड़ा जिले के पर्यटन नक्शे पर बैलाडीला पहले से ही अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए खास पहचान रखता है। इस बार खदान क्षेत्र खुलने की खबर से स्थानीय लोगों के साथ आसपास के जिलों और पड़ोसी राज्यों से आने वाले सैलानियों में भी उत्साह है।

फोटो कैप्शन- बैलाडीला की पहाड़ियों में बादलों के बीच खदान क्षेत्र और प्राकृतिक सौंदर्य का मनमोहक दृश्य।

नगर भटगांव में हरतालिका व्रत कथा को लेकर महिलाओं में दिखा उत्साह

शिव-पार्वती की पूजा कर सुहाग और सुखी दांपत्य जीवन की कामना

एक सत बुलेटिन ➤ भटगांव

नगर भटगांव के ब्राम्हण पारा , देवांगन भवन , गोपाल देव जी मंदिर , दुर्गा मंदिर , राजा पारा , कुआ चौक , रहस चौक एवं विभिन्न स्थानों में हरतालिका व्रत पूजा कथा का आयोजन हर्षोउल्लास के साथ किया गया ।

हरतालिका तीज के अवसर पर सोमवार को महिलाओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ भगवान शिव एवं माता पार्वती की पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों और घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर भगवान शिव-पार्वती की प्रतिमा स्थापित की और विधि-विधान से पूजन कर हरतालिका व्रत कथा का श्रवण किया।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के

लिए कठोर तपस्या की थी। पार्वती के पिता उनका विवाह भगवान विष्णु से करना चाहते थे, लेकिन माता पार्वती की इच्छा भगवान शिव को पति रूप में पाने की थी। उनकी सखी उन्हें वन में ले गईं, जहां माता पार्वती ने शिव की आराधना और तपस्या की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार करने का वरदान दिया। इसी प्रसंग की स्मृति में हरतालिका तीज व्रत किए जाने की मान्यता है।

पूजा के दौरान महिलाओं ने शिव-पार्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर फल, फूल, बेलपत्र, धतूरा तथा अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। इसके बाद सामूहिक रूप से हरतालिका व्रत कथा सुनी और भगवान शिव एवं माता पार्वती से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

हरतालिका तीज को विशेष रूप से सुहाग, दांपत्य सुख और पारिवारिक मंगल से जोड़कर देखा जाता है। कई स्थानों पर महिलाओं ने भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

एशिया गेम्स से पहले बीसीसीआईका बड़ा ऐलान

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ इस बार क्रिकेट के मैदान पर खास अंदाज में मनाई जाएगी। भारतीय मेन्स क्रिकेट टीम जापान के खिलाफ एक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेलेगी। दोनों देशों की टीमें पहली बार इस तरह के अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में आमने-सामने होंगी, जिससे यह मैच ऐतिहासिक बन गया है।सुजुकी कप के नाम से होने वाला यह मुकाबला 22 सितंबर 2026 को तोचिगी प्रांत के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 9।30 बजे शुरू होगा। जापान क्रिकेट एसोसिएशन और भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोड ने इस विशेष मैच की घोषणा की है।भारतीय मेन्स क्रिकेट टीम इस महीने एशियन गेम्स के लिए जापान की यात्रा करेगी, लेकिन उससे पहले यह मुकाबला बेहद खास होगा। टीम इंडिया पहली बार जापान के खिलाफ कोई इंटरनेशनल मुकाबला खेलेगी। दुनिया की सबसे मजबूत क्रिकेट टीमों में शामिल भारत की मौजूदगी जापान में क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभा सकती है। जापान क्रिकेट एसोसिएशन लंबे समय से देश में क्रिकेट के विकास और लोकप्रियता बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। ऐसे में भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबला स्थानीय खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ा आकर्षण होगा।

भारत की निगाहें ओलंपिक की मेजबानी पर भारत और जापान के बीच होने वाला यह मैच पहल का पहला कार्यक्रम होगा। इस पहल का मकसद खेलों के जरिए दोनों देशों के बीच लोगों के संपर्क और सहयोग को बढ़ावा देना है। यह पहल भारत और जापान के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई सहमति का हिस्सा है। इसमें खेल के क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने के साथ भारत की 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी की महत्वाकांक्षा को भी ध्यान में रखा गया है।बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस मुकाबले को भारतीय क्रिकेट के लिए अहम अवसर बताया। उन्होंने कहा कि जापान में भारतीय टीम का खेलना क्रिकेट को नए दर्शकों तक पहुंचाने का मौका है। सैकिया ने भारत और जापान के लंबे समय से चले आ रहे दोस्ताना संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के राजनयिक रिश्तों की 75वीं वर्षगांठ के समारोह में क्रिकेट की भागीदारी खास महत्व रखती है। उन्होंने यह भी कहा कि बीसीसीआई क्रिकेट को उसके पारंपरिक क्षेत्रों से बाहर ले जाने की जिम्मेदारी को समझता है ।

निशानेबाजी की आड़ में यौन उत्पीड़न! भारतीय टीम की खिलाड़ियों ने कोच पर लगाए आरोप

भारतीय शूटिंग से सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक कोच पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है. इस आरोप के बाद कोच बुरी तरह से मुश्किलों में घिर गए हैं. मामला इस साल जून में हुए जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप से जुड़ा है, जिसके लिए भारतीय महिला शूटिंग टीम के साथ कोच ने भी जर्मनी का दौरान किया था. उस प्रतियोगिता में शामिल हुई महिला शटर्स ने ही कोच पर यौन उत्पीड़न का संगीन आरोप लगाया है.

युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा से उठक-बैठक लगवाई

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अभिषेक शर्मा के बर्थडे पर उनके मेंटर युवराज सिंह ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया है। इसमें अभिषेक से युवराज कहते हैं कि बोलो, मैं पहली बॉल पर लप्पा नहीं मारूंगा। इसके बाद अभिषेक कान पकड़कर ऐसा ही कहते हुए उठक-बैठक लगाते हैं।अभिषेक आज 4 सितंबर को 26 साल के हो गए। उन्होंने अब तक भारत के लिए 56 टी-20 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 2 शतकों और 11 अर्धशतकों की मदद से 1629 रन बनाए हैं।

युवराज सिंह ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा- 'सर अभिषेक, आपका जन्मदिन है। कितना शुभ दिन है! आप जिस इंसान के रूप में बदले हैं, उससे मुझे प्यार है।'

उन्होंने आगे लिखा- 'आप अपने आसपास के लोगों का ख्याल रखते हैं और एक बेहतरीन लीडर हैं। आप अपनी गलतियों से सीखते हैं और हर बार ज्यादा मेहनत करने को तैयार रहते हैं। आपको ढेर सारे रनों और शतकों की शुभकामनाएं।'

दलीप ट्रॉफी फाइनल में नहीं खेलेंगे वैभव सूर्यवंशी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

दलीप ट्रॉफी फाइनल में साउथ जोन के लिए केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल और मोहम्मद सिराज को खेलने के लिए कहा गया है। वहीं वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और कप्तान तिलक वर्मा के खेलने का फैसला गौतम गंभीर करेंगे। भारतीय टीम के 9 या 10 सितंबर को दिल्ली में जुटने के कारण इन तीनों की उपलब्धता पर सस्पेंस बना हुआ है।दलीप ट्रॉफी के फाइनल से पहले साउथ जोन की टीम को लेकर बड़ा सस्पेंस बना हुआ है। 6 सितंबर से चेन्नई में होने वाले फाइनल में साउथ जोन का सामना ईस्ट जोन से होगा। इस मुकाबले के लिए केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल और मोहम्मद सिराज को खेलने के लिए कहा गया है।लेकिन तीन खिलाड़ियों के मामले में फैसला अभी नहीं हुआ है। भारत की

ञ्20ढ्ढ टीम का हिस्सा वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा दलीप ट्रॉफी फाइनल खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर करेंगे।

बीसीसीआई के सूत्र ने पीटीआई को बताया नेशनल सेलेक्टर्स की कोशिश है कि जो भी भारतीय खिलाड़ी इस समय उपलब्ध है, उसे दलीप ट्रॉफी फाइनल में खेलना चाहिए। केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल और मोहम्मद सिराज ने अपना पिछला मुकाबला 27 अगस्त को खेला था। इसके बाद इन तीनों को अगला प्रतिस्पर्धी मुकाबला 27 सितंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलना है। ऐसे में सेलेक्टर्स का मानना है कि इन खिलाड़ियों को लंबे ब्रेक के बजाय दलीप ट्रॉफी फाइनल में मैदान पर उतरना चाहिए।

बीसीसीआई सूत्र ने कहा- राहुल, पडिक्कल और सिराज के पास फिलहाल कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं है। सेलेक्टर्स चाहते हैं कि उपलब्ध भारतीय खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी फाइनल खेले।पडिक्कल के लिए भी फायदेमंद हो सकता है फाइनल देवदत्त पडिक्कल की स्थिति थोड़ी अलग है। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में उनके इंडिया ए सीरीज में खेलने की संभावना है।हालांकि अगर दलीप ट्रॉफी फाइनल में खेलने का मौका मिलता है तो सेलेक्टर्स की प्राथमिकता यही है कि पडिक्कल चेन्नई में साउथ जोन के लिए मैदान पर उतरें। यानी राहुल, पडिक्कल और सिराज के मामले में तस्वीर लगभग साफ है, लेकिन वैभव, ईशान और तिलक पर अभी अंतिम फैसला बाकी है।

वैभव-ईशान-तिलक का फैसला गंभीर के हाथ में क्यों? दरअसल, भारत की ञ्20ढ्ढ टीम को जल्द ही एक साथ जुटना है। भारतीय टीम के 9 या 10 सितंबर को दिल्ली में इकट्ठा होने की उम्मीद है। ऐसे में सवाल यह है कि ञ्20ढ्ढ टीम के इन तीन खिलाड़ियों को दलीप ट्रॉफी फाइनल खेलने के लिए चेन्नई भेजा जाए या सीधे दिल्ली बुलाया जाए।बीसीसीआई सूत्र के मुताबिक, अगर गौतम गंभीर चाहते हैं कि वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा ञ्20ढ्ढ टीम के तय कार्यक्रम के मुताबिक रिपोर्ट करें, तो तीनों दलीप ट्रॉफी फाइनल नहीं खेल पाएंगे।

फिर भी पिछले महीने से 27 प्रतिशत महंगी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

चीनी की बढ़ती कीमतों से परेशान ग्राहकों के लिए राहत की खबर है। देशभर में चीनी का औसत रिटेल भाव एक हफ्ते में करीब 4त्न घटा है। थोक बाजार में भी कीमतों में नरमी आई है। हालांकि, दुकानों पर इसका पूरा असर दिखने में अभी समय लग सकता है, क्योंकि रिटेलर्स के पास महंगा पुराना स्टॉक मौजूद है।

देशभर में चीनी की कीमतों में अब नरमी दिखने लगी है। एक हफ्ते में चीनी का औसत रिटेल भाव 3।85त्न घटकर ?62।57 प्रति किलो पर आ गया है। एक हफ्ते पहले यह कीमत ?65।08 प्रति किलो थी। हालांकि, गिरावट के बावजूद चीनी अब भी महंगी है और इसका रिटेल भाव पिछले महीने के ?49।33

प्रति किलो के स्तर से करीब 27त्न ऊपर बना हुआ है।कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने हाल के दिनों में कई कदम उठाए हैं। इनमें 10 लाख टन चीनी के इंपोर्ट की अनुमति देना भी शामिल है। इसके अलावा बल्क यूजर्स और डीलरों के लिए स्टॉक रखने से जुड़े नियमों को भी सख्त किया गया है। माना जा रहा है कि इन उपायों का असर अब थोक बाजार में दिखाई देने लगा है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2 सितंबर को चीनी का औसत थोक भाव ?57।62 प्रति किलो रहा। एक हफ्ते पहले यह ?60।39 प्रति किलो था। यानी इस दौरान थोक कीमत में भी करीब ?2।77 प्रति किलो की कमी आई है। हालांकि, थोक बाजार में कीमत घटने के बावजूद इसका पूरा फायदा रिटेल ग्राहकों को तुरंत नहीं मिल रहा है। इसकी वजह दुकानदारों के पास मौजूद पुराना स्टॉक है। कई रिटेलर्स ने चीनी पहले ही ऊंची कीमत पर खरीदी हुई है। ऐसे में वे उसे तुरंत कम भाव पर बेचकर नुकसान उठाना नहीं चाहते।उद्योग से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, रिटेल कीमतों में बदलाव दिखने में कम से कम 10 दिन लग सकते हैं।

जीडीपी विवाद में कूदे स्टॉक मार्केट के दिग्गज

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पिछले कुछ दिनों से जीडीपी को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। खासकर, जबसे पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग ने जीडीपी को लेकर सवाल खड़े किए हैं।सुभाष गर्ग का कहना है कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7।8 फीसदी नहीं, बल्कि 2।6 फीसदी है। जबकि सरकार का कहना है कि नई सीरीज पर जीडीपी बदलाव के कारण ये कंफ्यूजन पैदा हुआ है।

अब इस विवाद में एक नए दिग्गज की एंट्री हो चुकी है। शेयर बाजार के दिग्गज इन्वेस्टर और स्मॉल कैप स्टॉक में से मल्टीबैगर खोजने के लिए मशहूर, शंकर शर्मा ने सोशल मीडिया पर त्नष्ठक्क को लेकर कुछ सवाल खड़े किए हैं। साथ ही भारत की जीडीपी और लाइफस्टाइल की तुलना

यूरोप से की है। उन्होंने भारत की त्नष्ठक्कग्रोथ और जमीनी हकीकत के बीच अंतर का भी जिक्र किया। सोशल प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखते हुए शर्मा ने कहा कि उन्हें जीडीपी बढ़ोतरी पर होने वाले बहस में पड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इसके बजाय, वे जीडीपी ग्रोथ के रियल फील पर ध्यान दिलाना चाहते हैं।

सिर्फ 2-3 प्रतिशत रियल फील जीडीपी

शर्मा ने कहा कि भले ही कागजों पर भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है और 7त्न से अधिक की रफ्तार से बढ़ रहा है, लेकिन जमीन पर आम जनता का रियल फीलकेवल 2-3त्न ही महसूस होता है। अपने दावे के पीछे तर्क देते हुए उन्होंने लिखा कि देश में लोगों कीलाइफ ऑफ क्वॉलिट लगातार गिर रही है। लोग तनाव में दिख रहे हैं, सड़कों पर ट्रैफिक बेकाबू और अराजक है। उनके मुताबिक, भारत के शहर और गांव आज भी किसी 100 अरब डॉलर वाली छोटी अर्थव्यवस्था जैसे दिखाई देते हैं, न कि 4 ट्रिलियन डॉलर वाली बड़ी अर्थव्यवस्था जैसे। यूरोप से की तुलना शर्मा ने जीडीपी को लेकर बोलते हुए भारत कीा रियल फील 7।8त्न जैसा महसूस होता है।

साउथ अफ्रीका में इन्हीं खूबियों के साथ एक कार फॉक्सवैगन ने पेश की ह

भारत से पहले साउथ अफ्रीका में एंट्री

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

फॉक्सवैगन भारतीय बाजार में एक नई कार लाने वाला है। कंपनी ने कन्फर्म कर दिया है कि वे 4 मीटर से छोटी एक एसयूवी लेकर आ रहे हैं। ये कंपनी की सबसे सस्ती एसयूवी होने वाली है। वैसे भारत में कंपनी इस कार को अगले साल लॉन्च करेगी, लेकिन साउथ अफ्रीका में इन्हीं खूबियों के साथ एक कार फॉक्सवैगन ने पेश की है।

हम बात कर रहे हैं फॉक्सवैगन टेंगो की जिसकी साउथ अफ्रीका में एंट्री हो गई है। ये कार मूल रूप से ब्राजील में मिलने वाली फॉक्सवैगन टेरा है। अब तक कंपनी इस कार को सिर्फ ब्राजील में बना रही थी, लेकिन अब कंपनी ने इसे साउथ अफ्रीका में भी मैन्युफैक्चर करने का ऐलान किया है। टेंगो को कंपनी ने टी-क्रॉस (फॉक्सवैगन टाइगुन) से नीचे पोजिशन किया है। कंपनी इसे 2027 में लॉन्च करेगी।

इस कार को कंपनी अपनी कारिएगा फैक्टरी में मैन्युफैक्चर करेगी, जो 1951 से चल रही है। ये टी-क्रॉस से सस्ता ऑप्शन होगा। इस कार के जरिए कंपनी अफ्रीकी मार्केट में भारतीय और चीनी ब्रांड से मिल रहे कंपटीशन से मुकाबला कर पाएगी।

साउथ अफ्रीका के लिए कंपनी इस एसयूवी में कुछ बदलाव करेगी। ये कार राइट हैंड ड्राइव के साथ आएगी। इसे ब्रांड के एमक्यूबी ए0 प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा। इस प्लेटफॉर्म का ही इस्तेमाल ब्राजील में टेरा के लिए होता है। इसके अलावा ब्रांड की पोलो, वर्टस और टी-क्रॉस जैसी कारें भी इसी प्लेटफॉर्म पर बेस्ड हैं।

दमदार इंजन मिल सकता है

फॉक्सवैगन टेंगो को कंपनी ने पेश तो कर दिया है, लेकिन साउथ अफ्रीका के लिए इसके फीचर्स का ऐलान नहीं किया है। टेंगो में कंपनी 1।6 लीटर का नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन दे सकती है, जो 105 पीएस की पावर और 153 एनएम का टॉर्क प्रोड्यूस करता है। इसके अलावा कंपनी 1।0 लीटर का टीएसआई इंजन भी बाद में जोड़ सकती है।

सुरंगों में फंसे लोगों की ऐसे हो रही तलाश

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

नेपाल में बाढ़ की तबाही के बाद अभी भी रेस्क्यू का काम जारी है। प्रसाशन की कोशिश है कि मलबे के पीछे जिंदा बचे हर एक शख्स की जान बचानी है। जान बचाने में अब वॉट्सऐप भी अहम भूमिका अदा कर रहा है। दरअसल,में जुड़े एक्सपर्ट की टीम नेपाल की एक घाटी में रेस्क्यू टीम को गाइड कर रही है। करीब एक सप्ताह से पहले आई भीषण बाढ़ की वजह से तबाह हुए हाइड्रोपावर प्लांट्स की सुरंगों में किसी के जिंदा होने की उम्मीद है और बचावकर्मी उनकी तलाश में जुटे हैं। ये जानकारी रॉयटर्स की रिपोर्ट से मिली है।दरअसल, इंजीनियरों ने 26 अगस्त नेपाल की त्रिशूली घाटी में पानी, मिट्टी और चट्टानों का सैलाब आने से पहले एक वॉट्सऐप ग्रुप बनाया था। अब आपदा के बाद से यह ग्रुप हेलीकॉप्टरों और भारी मशीनरी के साथ मिलकर लोगों को बचाने की कोशिश में एक अहम टूल बन चुका है।

हाइड्रो पावर प्लांट्स में लापताअधिकारियों ने

उम्मीद जताई है कि छह हाइड्रो पावर प्लांट्स से करीब 900 लोग लापता हैं, जिनमें कुछ लोग बच गए होंगे। कम से कम तीन प्लांट निर्माणाधीन थे, ऐसे में अधिकारियों को उम्मीद है कि वहां काम करने वाले लोग सुरंगों में चल गए होंगे और खुद की जान बचाई होगी।इस रेस्क्यू ऑपरेशन में पहली सफलता बीते शुक्रवार को मिली है। शुक्रवार को आपदा का 9वां दिन था और अपर त्रिशूली-3 हाइड्रोपावर प्लांट से दो लोगों को जिंदा बाहर निकाला जा चुका है। उनमें से एक ने बताया कि सुरंग में और भी लोग जिंदा हो सकते हैं।

सम्पादकीय

मौत की इमारतों की राजधानी

दिल्ली देश की राजधानी है अथवा मौत की इमारतों का महानगर है! यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि हाल ही में मालवीय नगर के एक 'अवैध', संकरे कथित होटल में अग्निकांड हुआ, जिसमें 22 जिंदगियां भस्म होकर राख बन गईं। कभी राजेन्द्र नगर में बारिश का पानी भर जाता है, उसमें करंट भी प्रवाहित होने लगता है, नतीजतन आधा दर्जन युवा छात्र अचानक लाश बन जाते हैं। वे आईएएस बनने का सपना लिए पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन मौत ने सब कुछ छीन लिया। कभी लक्ष्मीनगर में हादसा हुआ और फिर युवा जिंदगियों पर विराम लग गया। इसी जुलाई में ही रोहिणी में इमारत गिरी, साकेत और करोल बाग में हादसे हुए। मुस्तफाबाद में 11 मौतें इससे पहले हो चुकी थीं। ये हादसे, मौतें नहीं, बल्कि हत्याएं हैं, क्योंकि बचने के बंदोबस्त 'शून्य' थे। और अब संभ्रांत कॉलोनी मोतीबाग के पास सत्य निकेतन में भी एक 5-मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। रविवार रात तक 5 मौतों की पुष्टि की जा चुकी थी। तीन छात्र अस्पताल में जिंदगी-मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मौतों की संख्या अधिक भी हो सकती है, क्योंकि 25-30 छात्रों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई गई है। इन तमाम इमारतों में एक तथ्य साझा है कि सभी 'अवैध' थीं। न अग्निशमन विभाग का एनओसी, न नगर निगम का एनओसी, स्वीकृत मंजिलों से अधिक मंजिलों का निर्माण और कई इमारतें तो सालों पुरानी थीं, जिनका रखरखाव भी नहीं किया गया था। सत्य निकेतन वाली इमारत भी 36 साल पुरानी बताई गई है। उस पर विभाग ने सील लगा दी थी, लेकिन फिर न जाने कैसे, वह सील भी खुल गई और यह हत्याकांड हो गया। इस इमारत की तीन मंजिलें 'अवैध' थीं, क्योंकि उसे भूतल और पहली मंजिल बनाने की ही अनुमति दी गई थी, लेकिन भूतल के ऊपर भी चार मंजिलों का निर्माण कर लिया गया।

(एक नजर)

14 या 15 सितंबर, कब से शुरू होगा गणेश महोत्सव

हिंदू धर्म में गणेश महोत्सव का विशेष महत्व है. यह पर्व मुख्य रूप से भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से शुरू होता है और अनंत चतुर्दशी के दिन इसका समापन होता है. द्रिक पंचांग के अनुसार, इस बार गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर से शुरू होगा और समापन 25 सितंबर 2026, शुक्रवार के दिन अनंत चतुर्दशी के दिन होगा. धार्मिक मान्यता है कि इन दिनों भगवान गणेश अपने भक्तों के बीच रहते हैं और उनकी मनोकामनाएं पूरी करते हैं. भगवान गणेश की पूजा सार्वजनिक रूप से पंडालों में भी की जाती है और लोग अपने घरों में भी गणपति की स्थापना करते हैं. द्रिक पंचांग के अनुसार, गणेश चतुर्थी की तिथि 14 सितंबर को सुबह 7 बजकर 6 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 15 सितंबर को सुबह 7 बजकर 44 मिनट पर होगा. वहीं, गणेश जी का विसर्जन 25 सितंबर, शुक्रवार के दिन होगा. पंचांग के मुताबिक, गणेश चतुर्थी के पूजन का मुहूर्त सुबह 11 बजकर 2 मिनट से लेकर दोपहर 1 बजकर 31 मिनट पर होगा।

विचार

दबाव में एफएसएसएआई : जन स्वास्थ्य की जीत

डा. अश्वनी महाजन
लेखक

दो हफ्ते पहले भारत के सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को हानिकारक पैक्ड फूड पर चेतावनी वाले लेबल लगाने में ढिलाई बरतने के लिए फटकार लगाई। यह फटकार '3 एस' और 'अवर हेल्थ सोसाइटी' द्वारा दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान लगाई गई थी, जिसमें ज्यादा चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट वाले पैक्ड फूड पर पैकेट के सामने की तरफ (फ्रंट ऑफ पैक) चेतावनी वाले लेबल लगाना अनिवार्य करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि ज्यादा नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट (एचएसएसएफ) वाले पैक्ड फूड के लिए चेतावनी वाले लेबल अनिवार्य करने में एजेंसी की हिचकिचाहट से यह सवाल उठता है कि क्या वह कॉर्पोरेट घरानों के दबाव में काम कर रही है। कोर्ट ने केंद्र सरकार के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को निर्देश दिया कि वे दो हफ्ते के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करें और चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं किया गया, तो कोर्ट को इस मामले में खास निर्देश जारी करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

एफएसएसएआई ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद के साथ एक एमएओयू पर हस्ताक्षर किए और 15 फरवरी 2022 को भारतीय आबादी के बीच पैक्ड फूड के लिए अलग-अलग फ्रंट ऑफ पैक लेबल के बारे में उपभोक्ताओं की सोच पर एक स्टडी शुरू करवाईदो हफ्ते पहले भारत के सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को हानिकारक पैक्ड फूड पर चेतावनी वाले लेबल लगाने में ढिलाई बरतने के लिए फटकार लगाई। यह फटकार '3 एस' और 'अवर हेल्थ सोसाइटी' द्वारा दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान लगाई गई थी, जिसमें ज्यादा चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट वाले पैक्ड फूड पर पैकेट के सामने की तरफ (फ्रंट ऑफ पैक) चेतावनी वाले लेबल लगाना अनिवार्य करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि ज्यादा नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट (एचएसएसएफ) वाले पैक्ड फूड के लिए चेतावनी वाले लेबल अनिवार्य करने में एजेंसी की हिचकिचाहट से यह सवाल उठता है कि क्या वह कॉर्पोरेट घरानों के दबाव में काम कर रही है। कोर्ट ने केंद्र सरकार के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को निर्देश दिया कि वे दो हफ्ते के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करें और चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं किया गया, तो कोर्ट को इस मामले में खास निर्देश जारी करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। कोर्ट ने नागरिकों, खासकर बढ़ते बच्चों की सेहत को लेकर चिंता जताई। कोर्ट ने केंद्र सरकार की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि सख्त चेतावनी वाले लेबल के कारण पारंपरिक भारतीय स्नैक्स (जैसे नमकीन) पर ज्यादा फैट या नमक की मात्रा की वजह से लाल चेतावनी का निशान लग सकता है। इस दलील को खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि ऐसी चिंताओं की वजह से सरकार को लोगों में इस बात के प्रति जागरूकता बढ़ाने से पीछे नहीं हटना चाहिए कि वे क्या खा-पी रहे हैं। मीडिया की कुछ रिपोर्टों के अनुसार 28 अगस्त 2026 को एफएसएसएआई ने पैक्ड फूड और ड्रिंक्स पर पैकेट के सामने की तरफ चेतावनी वाले लेबल लगाने का प्रस्ताव रख दिया है। ज्यादा चीनी, फैट या नमक वाले आइटम के बारे में सख्त लेबल न होने को लेकर बढ़ते जन आक्रोश के बाद उसने अपना रुख

बदला है। एफएसएसएआई का कोर्ट में एफओपीएल (पैकेट के सामने चेतावनी लेबल) के हिस्से के तौर पर चेतावनी वाले संकेतों पर सहमत होना यह दिखाता है कि नियामक संस्था सुप्रीम कोर्ट, मीडिया और जागरूक नागरिकों के दबाव के आगे झुक गई है।

चेतावनी वाले संकेत क्यों हैं जरूरी ~हमारे देश में सेहतमंद और पौष्टिक खाना बनाने और खाने की पुरानी परंपरा रही है। हमारी पारंपरिक खाने की थाली में आमतौर पर प्रोटीन, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट और दूसरे जरूरी पोषक तत्वों का सही संतुलन होता है। इसलिए, हमारी डाइट हमेशा से संतुलित रही है। हालांकि, हाल के दिनों में प्रोसेस्ड फूड का सेवन तेजी से बढ़ा है और बाजार अब अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड से भरा पड़ा है। अहम बात यह है कि बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा बनाए गए इन अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड ने बाजार का एक बड़ा हिस्सा हथिया लिया है। वैज्ञानिकों का साफ मानना है कि ये अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड कैंसर जैसी कई गैर-संचारी बीमारियों को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके अलावा, कंपनियां ग्राहकों को लुभाने और बच्चों को अपने उत्पादों का आदी बनाने के लिए अत्यधिक चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट का इस्तेमाल करती हैं। हमारे देश में डाइट में चीनी, सोडियम और सैचुरेटेड फैट की ज्यादा मात्रा के कारण कैंसर, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और किडनी व लिवर की बीमारियां तेजी से आम होती जा रही हैं। लोगों में पोषण के बारे में जानकारी की कमी और फूड पैकेजिंग पर चेतावनी वाले लेबल न होने के कारण, लोग अनजाने में इन हानिकारक चीजों का सेवन कर रहे हैं। इससे इन बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है, जिन्हें अक्सर लाइफ स्टाइल से जुड़ी बीमारियां कहा जाता है। अगर ऐसे हानिकारक फूड उत्पादों पर चेतावनी वाले लेबल लगे हों जो यह बताएं कि उनमें चीनी, नमक या सैचुरेटेड फैट की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और वे सेहत के लिए हानिकारक हैं, तो ग्राहक

विचार

हिमालय बचाओ अभियान : वर्तमान में उठते सवाल

डा. राकेश कपूर
लेखक

हिमालय हमसे मांग करता है कि हमारी योजनाएं, शासन-व्यवस्था और आपदा प्रबंधन प्रणालियां प्रशासनिक सीमाओं से ऊपर उठें और पर्वतों को एक जीवंत, परस्पर जुड़े हुए पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में देखें। हिमालय को अक्सर 'तीसरा ध्रुव' और 'एशिया का जल-स्तंभ' कहा जाता है। वह विश्व की महान नदियों का उद्गम क्षेत्र और करोड़ों लोगों की जल, खाद्य तथा ऊर्जा सुरक्षा का आधार है। लेकिन हिमालय को केवल एक भौगोलिक क्षेत्र मानना उसकी वास्तविक भूमिका को सीमित करना होगा। हिमालय को बचाना अंततः मानव सभ्यता को जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणामों से बचाना है।

हिमनद यह नहीं जानता कि उत्तराखंड और नेपाल की सीमा कहां है। नदी राज्य की सीमाओं को नहीं पहचानती। बाढ़ अंतरराष्ट्रीय सीमा का सम्मान नहीं करती। और जलवायु परिवर्तन किसी राजनीतिक क्षेत्राधिकार को नहीं मानता। हिमालय हमसे मांग करता है कि हमारी योजनाएं, शासन-व्यवस्था और आपदा प्रबंधन प्रणालियां प्रशासनिक सीमाओं से ऊपर उठें और पर्वतों को एक जीवंत, परस्पर जुड़े हुए पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में देखें। हिमालय को अक्सर 'तीसरा ध्रुव' और 'एशिया का जल-स्तंभ' कहा जाता है। वह विश्व की महान नदियों का उद्गम क्षेत्र और करोड़ों लोगों की जल, खाद्य तथा ऊर्जा सुरक्षा का आधार है। लेकिन हिमालय को केवल एक भौगोलिक क्षेत्र मानना उसकी वास्तविक भूमिका को सीमित करना होगा। हिमालय को बचाना अंतत~मानव सभ्यता को जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणामों से बचाना है। हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र तेजी से गर्म हो रहा है। हिमनदों के पिघलने की गति बढ़ रही है और इसके प्रभाव पर्वतीय क्षेत्रों से बहुत दूर तक दिखाई दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय पर्वतीय विकास केंद्र के आकलनों के अनुसार क्षेत्र के हिमनद वर्ष 2000 के आसपास की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बर्फ खो रहे हैं तथा 1975 के बाद कुछ क्षेत्रों में हिम की मोटाई में लगभग 27 मीटर तक कमी दर्ज की गई है। हिमनदों के पीछे हटने, काले कार्बन के जमाव तथा हिमनदीय झीलों के विस्तार से अचानक बाढ़ और हिमनदीय झील फटने जैसी आपदाओं का जोखिम बढ़ रहा है। लगभग दो अरब लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस क्षेत्र की बर्फ और हिम पर आधारित जल व्यवस्था पर निर्भर हैं।हिमालय बचाएं, मानवता बचाएं ~ हिमालय केवल भारत, नेपाल, भूटान, चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बंटी हुई पर्वत-भूमि नहीं है। इसके हिमनद, नदियां, मानसून, वन, जैव विविधता और वायुमंडलीय प्रक्रियाएं एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। नमस्कार लांगटांग लिरुंग। नमस्कार भोटे कोशी और त्रिशूली। नमस्कार चोराबाड़ी और

केदारनाथ। नमस्कार गंगोत्री, दक्षिण ल्होनाक, सिक्किम, हिमाचल, लद्दाख और महान हिमालयी चाप के सभी हिमनदों को। यह अभिवादन केवल श्रद्धा नहीं, बल्कि चेतावनी भी है। हिमालय के हिमनद, हिमक्षेत्र, स्थायी हिमभूमि, नदियां और ढलान तेजी से बदल रहे हैं। भूस्खलन, आकस्मिक बाढ़, हिमनदीय झीलों का फटना और लगातार बढ़ती आपदाएं हमें बता रही हैं कि पर्वतीय पारिस्थितिकी अपनी सीमाओं पर पहुंच रही है। जब हिमनद पिघलते हैं, वन नष्ट होते हैं, जलस्रोत सूखते हैं और ढलान अस्थिर होते हैं, तो इसका प्रभाव केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता। गांवों, शहरों, कृषि, जलविद्युत परियोजनाओं और नदी घाटियों पर इसका असर पड़ता है। इसलिए हिमालय का संरक्षण केवल वन विभाग या पर्वतीय राज्यों की जिम्मेदारी नहीं हो सकता। इसे जनभागीदारी का आंदोलन और वैश्विक जलवायु प्राथमिकता बनाना होगा।सबसे बड़ा विरोधाभास ~ हिमालय आज दोहरे दबाव में है। एक ओर औद्योगीकरण, जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग और अस्थिर उत्पादन-उपभोग से उत्पन्न वैश्विक तापवृद्धि है। दूसरी ओर स्थानीय विकास का वह मॉडल है, जिसमें संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिकी को सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत, पर्यटन, रियल एस्टेट और अनियोजित शहरीकरण के लिए तेजी से बदला जा रहा है। अर्थात संकट का समीकरण है ~ वैश्विक जलवायु परिवर्तन तथा स्थानीय पारिस्थितिक विनाश। कुछ हजार पौधे लगाकर, कंक्रीट की दीवारें बनाकर या किसी अभियान और उत्सव की घोषणा करके इस संकट का समाधान नहीं होगा। हमें उसके कारणों और परिणामों दोनों पर काम करना होगा।

वैश्विक नीति का ठहराव ~ दुनिया में जलवायु सम्मेलनों, घोषणाओं और वैज्ञानिक चेतावनियों की कमी नहीं है। समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। पेरिस समझौते ने वैश्विक जलवायु कार्रवाई का महत्वपूर्ण ढांचा दिया, फिर भी उत्सर्जन में आवश्यक गति से कमी नहीं आई है। वर्ष 2025 में ब्राजील के बेलेम में आयोजित तीसवें पक्षकार सम्मेलन में अनुकूलन वित्त को लेकर प्रगति हुई, लेकिन जीवाश्म ईंधनों से व्यवस्थित और बाध्यकारी रूप से बाहर निकलने की दिशा में अपेक्षित स्पष्टता नहीं बनी। यही अंतरराष्ट्रीय जलवायु शासन का विरोधाभास है- विज्ञान तत्काल कार्रवाई की मांग करता है, जबकि भू-राजनीति सहमति की। पृथ्वी परिवर्तन चाहती है।

विचार

इसरो को कमजोर करने की साजिश

-नीरज कुमार दुबे
लेखक

विपक्ष ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक मोर्चे पर उठा लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के नाम पर इसरो की भूमिका सीमित की जा रही है और उसकी दशकों पुरानी क्षमताएं निजी कंपनियों को सौंपी जा सकती हैं।क्या भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो को धीरे-धीरे निजी हाथों के हवाले किया जा रहा है, या फिर देश एक ऐसी नई अंतरिक्ष रणनीति की ओर बढ़ रहा है जिसमें इसरो शोध और सामरिक अभियानों का कमांड सेंटर बनेगा और उद्योग उत्पादन की ताकत? यही सवाल पिछले कुछ दिनों से भारतीय अंतरिक्ष जगत के भीतर और बाहर तेज बहस का विषय बना हुआ है। अब इसरो ने स्वयं सामने आकर स्पष्ट किया है कि न तो इसरो का निजीकरण होगा और न ही उसकी भूमिका या महत्व कम किया जाएगा।यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने 4 सितंबर को इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन को पत्र लिखकर अंतरिक्ष क्षेत्र में चल रहे सुधारों, उत्पादन गतिविधियों के निजी कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों को हस्तांतरण तथा कर्मचारियों के भविष्य पर गंभीर सवाल उठाए थे। उनकी चिंता का केंद्र 21 अगस्त को ढ्ढह्य-स्श्चड्डष्द्ग के अध्यक्ष पवन गोयनका की वह टिप्पणी थी,

जिसमें कहा गया था कि भविष्य में इसरो प्रक्षेपण यानों का निर्माण बंद कर सकता है और उनका उत्पादन उद्योग या पीएसयू संभाल सकते हैं।इसरो का जवाब स्पष्ट है कि भूमिका बदल रही है, महत्व नहीं। एजेंसी अब उस दिशा में अपने वैज्ञानिक संसाधन केंद्रित करना चाहती है जहां उसकी विशेषज्ञता सबसे निर्णायक है। यानि फ्रंटियर रिसर्च, उन्नत प्रौद्योगिकी, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान, गहरे अंतरिक्ष और ग्रहों के मिशन तथा राष्ट्रीय और सामरिक क्षमताएं। हम आपको बता दें कि संचार, नेविगेशन और पृथ्वी अवलोकन के उन्नत पेलोड, सेंसर, प्रणोदन प्रणालियां और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकें इसरो के मूल फोकस में बनी रहेंगी।दूसरी ओर, जिन तकनीकों ने परिपक्वता हासिल कर ली है और जिनका बड़े पैमाने पर नियमित उत्पादन संभव है, उन्हें उद्योग और पीएसयू प्रतिस्पर्धी प्रक्रियाओं के माध्यम से बढ़ा सकते हैं। इसमें परिपक्व लॉन्च व्हीकल, नियमित उपग्रह और स्थापित अंतरिक्ष प्रणालियां शामिल हो सकती हैं। इसरो का तर्क है कि इससे उसके वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों का समय उत्पादन में नहीं, बल्कि भविष्य की जटिल तकनीकों और महत्वाकांक्षी अभियानों में लगेगा।यही इस बदलाव का सबसे बड़ा रणनीतिक अर्थ है। अंतरिक्ष शक्ति बनने के लिए इसरो को ÷फैक्ट्री÷ से आगे बढ़कर ÷टेक्नोलॉजी फ्रंटियर÷ पर खड़ा होना होगा। भारत ने 2030 तक सालाना 50 प्रक्षेपणों का लक्ष्य रखा है। पवन गोयनका का कहना है कि इतने बड़े पैमाने का लक्ष्य कोई एक संगठन अकेले हासिल नहीं कर सकता। इसके लिए निजी पूंजी, औद्योगिक उत्पादन क्षमता, उद्यमिता और वैश्विक बाजार तक पहुंच जरूरी है।

यह पूरी व्यवस्था भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 और एफडीआई नीति के क्रमिक उदारीकरण से जुड़ी है। इसरो इसे निजीकरण नहीं, बल्कि ÷इकोसिस्टम विस्तार और क्षमता गुणन÷ बता रहा है। उद्योग, स्टार्ट-अप और अकादमिक संस्थानों को अंतरिक्ष मूल्य श्रृंखला में शामिल कर इसरो की क्षमताओं को प्रतिस्थापित नहीं, बल्कि कई गुना करने की योजना है।नई संरचना में विभागीय भूमिकाएं भी स्पष्ट की गई हैं। डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस नीति दिशा देगा, इसरो उन्नत अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और राष्ट्रीय मिशनों का मुख्य केंद्र रहेगा, ढ्ढह्य-स्श्चड्डष्द्ग गैर-सरकारी संस्थाओं की भागीदारी को सक्षम और अधिकृत करेगा, जबकि हृस्ढ्ढरु परिपक्व क्षमताओं के व्यावसायीकरण और उद्योग-आधारित उपयोग को आगे बढ़ाएगा।

लेकिन इस परिवर्तन पर सवाल खत्म नहीं हुए हैं। कर्मचारी संगठनों ने पूछा है कि नीति का कानूनी और प्रशासनिक आधार क्या है, इसका क्रियान्वयन कब होगा और मौजूदा कर्मचारियों तथा भविष्य की भर्ती पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। उनका सबसे महत्वपूर्ण तर्क है कि दशकों में विकसित इसरो की तकनीक राष्ट्रीय संपत्ति है, इसलिए उसका हस्तांतरण पारदर्शी, जवाबदेह और सामरिक तथा सुरक्षा हितों के अनुरूप होना चाहिए।विपक्ष ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक मोर्चे पर उठा लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के नाम पर इसरो की भूमिका सीमित की जा रही है और उसकी दशकों पुरानी क्षमताएं निजी कंपनियों को सौंपी जा सकती हैं। पार्टी नेता जयराम रमेश ने इसे इसरो के साराभाई-धवन ढांचे को कमजोर करने की प्रक्रिया बताया।यह विवाद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाएं अब असाधारण स्तर पर पहुंच चुकी हैं। 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, 2040 तक भारतीय मानवयुक्त चंद्र मिशन, पुन~प्रयोज्य और अगली पीढ़ी के लॉन्च सिस्टम तथा सतत चंद्र और ग्रह अन्वेषण, ये लक्ष्य साधारण व्यावसायिक विस्तार से हासिल नहीं होंगे। इसरो का कहना है कि ऐसी क्षमताओं को केवल बाजार की ताकतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इतिहासकिताबें खोजेंहम आपको बता दें कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था फिलहाल लगभग 8.4 अरब डॉलर आंकी गई है ।

बाटी सबको भाती

राजस्थान की दाल-बाटी और चूरमा के लड्डू हमारे देश में ही लोकप्रिय नहीं हैं वरन् विदेशों में भी इन्हें पसंद किया जाता है। आप घर में ही तरह-तरह की दालबाटी बनाकर सभी को खिलाएं और खुद भी खाएं।

भरवां बाटी

सामग्री

3 कप आटा, आधा कप बेसन, आधा छोटा चम्मच अजवाइन, एक चौथाई चम्मच जीरा, तीन चोथाई छोटा चम्मच नमक, 3 चौथाई कप घी (मोयन के लिए), डेढ़ कप घी अतिरिक्त।

भरावन के लिए सामग्री

1 छोटी प्याज कटी हुई, आधा कप उबले हुए आलू की पिठ्ठी, 1 कप हरी मटर उबली हुई, 2 हरी मिर्च कटी हुई, 1 गुच्छा हरा धनिया कटा हुआ। 1 छोटा चम्मच अदरक कटा हुआ, आधा छोटा चम्मच जीरा, आधा छोटा चम्मच पिसा धनिया, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पिसी हुई, 1 छोटा चम्मच नमक, आधा छोटा चम्मच गरम मसाला, 1 बड़ा चम्मच तेल।

बनाने की विधि

भरावन तैयार करने के लिए तेल गरम करें और उसमे जीरा कड़काएं, फिर इसमें प्याज, अदरक और हरी मिर्च डालकर नरम पड़ने तक फ्राई करें। अब इसमें मटर और आलू सहित सारी सामग्री डाल दें और अच्छी तरह मिलाकर उतार लें। अब आटे में बेसन, अजवाइन, नमक , जीरा और मोयन वाला घी डालकर हाथों से रगड़कर एकसार कर लें, फिर इसमें पानी के छींटे देकर इसे गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को घंटे भर के लिए एक और रख दें, फिर इसकी 8 -10 बराबर बराबर लोइयां बना लें। अब इन लोइयों में बराबर बराबर भरवां भरकर चपटी बाटी का रूप दे दें और इन्हें गरम ओवन या फिर तंदूर या उपलों की आंच में सुनहरा ला सेंक लें। अब इन सिंकी हुई बाटियों को 3 -4 मिनट घी में डुबोकर निकालें। अब स्वादिष्ट भरवां बाटी तैयार है। इन्हें मिश्रित दाल के साथ गर्म गर्म खाएं। मेहमानों को भी

मसालेदार कश्मीरी बाटी

सामग्री

1 किलो दरदरा पिसा आटा, 2 आलू उबले हुए, 250 ग्राम उबले मटर, 1 अदरक, 6-7 हरी मिर्च, 2 चम्मच लाल मिर्च, 1 चम्मच सौंफ, 1/2 टी स्पून काली मिर्च, 5 ग्राम हींग, 1 चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार।

बनाने की विधि

दरदरे आटे में थोड़ा नमक, घी या तेल का मोयन और एक चुटकी खाने वाला मीठा सोड़ा डालकर कड़ा गूंथ लें। अदरक, हरी मिर्च बारीक काट कर आलू मैश कर लें, अब इसमें सारे मसाले मिला लें। आटे से गोल लड्डू बनाएं। उन्हें बीच से दबाएं और मसाला भरकर बंद कर दें। ओवन को पहले से गरम कर लें। तैयार बाटियों को रख दें। धीमी आंच पर एक तरफ से सिकाई होने पर पलटें और दूसरी तरफ से सिकने दें। जब बाटियों पर फटने वाली दरारें बनने लगें तो उतार लें और गरमा-गरम मसालेदार कश्मीरी बाटी घी में डुबोकर परोसें।

दाल-बाटी

सामग्री

बाटी के लिए- 2 कप गेहूं का आटा,1 टेबलस्पून रवा, 2 टेबल स्पून घी, नमक स्वाद के लिए। दाल के लिए- 1/2 कप हरी मूंग की दाल, 1 टेबलस्पून चना दाल, 1 टेबलस्पून घी, 1/2 टेबल स्पून गरम मसाला, 1 टेबलस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टेबलस्पून धनिया पाउडर, 1/4 टेबलस्पून हल्दी पाउडर, आधा कटा नींबू, हरा धनिया कटा हुआ, अदरक बारीक कटा हुआ, 1/2 टेबलस्पून जीरा व राई दाना, दो कप पानी।

बनाने की विधि

दाल बनाने के लिए दोनों दालों को साथ में मिलाकर कुकर में डालें और नमक व हल्दी डालकर एक कप पानी के साथ उबालें। सभी मसालों का पेस्ट बनाने के लिए आधा कप पानी में मिलाकर रख दें। अब एक कड़ाही में घी डालें व गर्म करें। सबसे पहले इसमें जीरा व सरसों दाना डालें। जब ये चटकने लगे तब बारीक कटा हुआ अदरक डालकर मसालों का पेस्ट एड करें। कुछ देर के लिए भूनें व उबली हुई दाल मिला दें। बाद में नींबू का रस मिलाएं। कटे हुए हरे धनिए से गार्निश करें। गेहूं के आटे में रवा और घी को अच्छी तरह से मिलाएं। गर्म पानी से मिश्रण को एकदम कड़ा गूंथ लें और छोटी-छोटी लोई बना लें। तंदूर या ओवन को अच्छे से गर्म करें। फिर इसमें लोईयों को हल्की आंच पर तब तक भुनने दें जब तक कि यह ब्राउन न हो जाएं। ओवन से निकालकर लोई को साफ कपड़े में रखकर हल्का सा दबाएं और इसे देसी घी में डुबोएं और

नाइट में ऐसा हो आपका लुक

यदि आप रात में किसी पार्टी या डिनर पर जा रही हैं तो अपने लुक्स को लेकर कुछ अलग एक्सपेरिमेंट करें जिससे आप हॉट और स्टाइलिश दिख सकें जिससे लोगों की नजरें आप पर टिक जाएं। जरूरी है कि आप अपनी ड्रेस के साथ एक्सेसरीज और मेकअप भी देख लें। क्योंकि लुक ऐसा हो जो आपको लुभावना बना दें। इसके लिए कुछ आसान से टिप्स अपनाएं।

ऐसी हो ड्रेस

- कलर्स यदि डार्क रखें तो अच्छा रहेगा। क्योंकि वह आंखों पर अच्छा इफेक्ट डालते हैं। लाइट कलर की ड्रेस ही प्रिफर करें। जैसे लाइट पिंक, ग्रीन, ब्लू आदि।
- ये कलर्स गर्ल्स बहुत ही खिलते हैं।
- इस अवसर के लिए आप थोड़ी छोटी ड्रेस पहन सकती हैं।
- शिफॉन व जोर्जोट फैब्रिक के अलावा लेस वाली ड्रेसेस अच्छा विकल्प है।
- इस मौसम के लिए फ्लोरल प्रिंट वाली ड्रेसेस भी स्मार्ट चुनाव है।

मेकअप

- स्किन टोन को एक समान बनाने के बाद मेकअप को आंखों पर क्रेंदित रखें। चेहरे के बाकी हिस्से पर कोई मेकअप न करें।
- यदि बालों से कोई पोनीटेल नहीं बनाना चाहतीं तो इन्हें अव्यवस्थित फिशटेल जुड़े की तरह सेट करें।
- लाइनर का प्रयोग करें अथवा आइशैडो का। दोनों का प्रयोग एक साथ न करें।

- **शैडो के लिए** : अपनी आइलिड पर नीले रंग के अलग-अलग शेड्स का प्रयोग करें। आपकी आंखों की बनावट के अनुरूप ये रंग हलके से लेकर गहरे नीले तक भी हो सकता है।
- **लाइनर के लिए** : लाइनर का इस्तेमाल ग्लिटर के याथ करें, इससे आपकी आंखें आकर्षक लगेंगी, इसका जादू और बढ़ाने के लिए थोड़ा मोटा लाइनर कैट आइ की तरह बढ़ाकर लगाएं।
- अपने होठों पर न्यूट्रल शेड लगाकर थोड़ा ज्यादा लिप ग्लॉस लगाएं।
- नाखूनों को मेटैलिक नीले रंग से पेंट करें।

एक्सेसरीज

- यदि आप एक्सेसरीज हल्की पहनेंगी तो अच्छा रहेगा। क्योंकि हैवी ज्वेलरी आपकी ड्रेस के लुक को बिगाड़ देगा।
- रेसिंग स्ट्राइप्स वाले बैग, फ्लैट शूज और एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें।

कपड़ों से झलकता आपका व्यक्तित्व

किसी भी इंसान के कपड़े उसके व्यक्तित्व का आइना होते हैं। कपड़ों से न केवल किसी के रहन-सहन के बारे में पता चलता है, बल्कि सामने वाले के नेचर को समझने में भी मदद मिलती है। तो क्या यह कहना ठीक होगा कि ड्रेसिंग सेंस आपके भीतरी मन का आइना होता है? हां, यह सौ फीसदी सच है।

दरअसल, ड्रेस बिना बोले ही आपके बारे में बहुत कुछ बोल जाती है। आप किसी भी इंसान के कपड़ों से उसके रहन-सहन के बारे में आसानी से पता लगा सकते हैं। यही नहीं, उसका नेचर, फैमिली बैकग्राउंड, बिहेवियर, एजुकेशन के बारे में भी ड्रेस से काफी हद तक अंदाजा लगाया जा सकता है।

सफलता में कारगर

हाल में हुए एक सर्वे में तकरीबन 89 फीसदी लोगों ने इस बात को माना कि कंपनी में अच्छी ड्रेस सेंस आपको प्रमोशन के साथ सफलता दिलाने में कारगर होता है। इस तरह से मिली सक्सेस हालांकि केवल कुछ समय के लिए होती है, लेकिन पर्सनैलिटी हमेशा मायने रखती है, जो काफी हद तक ड्रेस से जुड़ी होती है। यही नहीं, अच्छा ड्रेसिंग सेंस आपको किसी भी कंपनी में जल्दी ही अपनी जगह बनाने में भी मदद करता है।

पहनिए स्टाइलिश फुटवियर

युवा स्टाइल के मामले में सबसे पहला फोकस होता है फुटवियर्स। अपनी इमेज को सही सेट करने के लिए पहले आपका ध्यान अपने फुटवियर्स पर होना चाहिए, क्योंकि ये ही आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ बयां करते हैं। तो जानते हैं इन्हें कैरी करने का फंडा।

आपने शूज अच्छे पहने हैं लेकिन अगर आप इन पर ध्यान दिए बिना यूं ही कुछ भी पहनकर चले जाते हैं, तो हमारी बात नोट कर लें कि इस डेट के बाद आपका यह रिलेशन आगे बढ़ना मुश्किल है। दरअसल, किसी भी पुरुष को परखने के लिए महिलाएं उनके फुटवियर्स को जरूर नोटिस करती हैं। इसलिए बेकार इंप्रेशन देने से बेहतर है कि इन पर पहले ही ध्यान दे लिया जाए, क्योंकि फ्रंट पर आए बिना ही ये फुटवियर्स आपके बारे में बहुत कुछ बोलते हैं।

- **जब बात हो रिलेशन की** : अगर आप डेट पर फ्लिप-फ्लॉप या कोल्हापुरी चप्पल जैसे कैजुअल फुटवियर्स पहनकर जाते हैं, तो इसका यही मतलब है कि वह मौका आपके लिए ज्यादा मायने नहीं रखता। आखिर आपने अपने लुक पर कोई एफर्ट जो नहीं किया है और आप सामने वाले को रिस्पेक्ट नहीं देना चाहते। यही नहीं अगर आपके शूज क्लीन नहीं हैं या फिर इन्हें आपने सही तरीके से मेंटेन नहीं किया है, तो यह देखकर लड़की यही सोचेगी कि जब आप अपने जूतों के एफर्ट नहीं ले सकते, तो रिलेशन मेंटेन करने के लिए भला कैसे मेहनत करेंगे!
- **रहें कॉन्शस** : ज्यादा स्टाइलिश होने के चक्कर में वे अक्सर फुटवियर्स में गलत चॉइस कर लेते हैं। फिर उनके स्टाइलिस्ट भी कई बार उन्हें सही सलाह नहीं देते। यही नहीं, यही फुटवियर्स चुनने में हाइट भी मैटर करती है। तमाम सिलेब्रिटीज में से सैफ अली खान शूज चुनने के मामले में सबसे ज्यादा कॉन्शस और एलिगेंट हैं।
- **ट्रेंड की जानकारी** : यदि आप भी सैफ की कैटिगरी में शामिल होना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि फुटवियर्स से जुड़ी कुछ बातें जान लें। आखिर शूज आपकी पर्सनैलिटी रिफ्लेक्ट करते हैं और इसलिए इनके ट्रेंड के बारे में जानकारी होना जरूरी है।
- **स्टाइलिश लुक में दिखें** : इन्हें केड्स भी कहा जाता है और ये एनर्जेटिक व खुशनुमा पर्सनैलिटी दिखाते हैं। हालांकि इन्हें पसंद करने वाले अक्सर गंभीर सोच वाले नहीं होते। इन्हें आप कई कलर्स में ले सकते हैं। ट्रेंड व स्टाइलिश लुक के लिए जींस या ट्राउजर को फोल्ड करके इनके साथ कैरी करें।
- **लेस-अप्स पॉइंटेड शूज**: बेशक ये सबसे खराब दिखने वाले शूज हैं, जो आपकी इमेज खराब कर सकते हैं। इन दिनों नैरो ट्राउजर्स और स्लिम फिट का ट्रेंड है। ऐसे में ये फुटवियर्स आपकी कोई हेल्प नहीं करेंगे। यही नहीं, अगर आप इन शूज को पहनते हैं, तो इसका मतलब है कि आप अपने आप से और अपने आसपास के माहौल से एक एकदम अनजान रहते हैं। इससे पहले कि लोग आपकी फैशन सेंस पर हंसे, बेहतर होगा कि आप लुक्स पर ध्यान देना शुरू कर दें।

साफ-सफाई का रखें ध्यान

सैंडल, फ्लिप-फ्लॉप्स या फिर कोल्हापुरी चप्पल, ऐसे फुटवियर्स पहनने वाले की ढीली-ढाली पर्सनैलिटी को दिखाते हैं। बेशक यह आज के कॉम्पिटीटिव टाइम से मैच नहीं करती। ऐसे कैजुअल फुटवियर्स दिखाते हैं कि आप अपना ख्याल नहीं रखते। वैसे, इन फुटवियर्स को पसंद करने वाले लोगों के नाखून, पैर वगैरह अक्सर साफ नहीं रहते।

कट-ऑफ जींस

बेशक ये थोड़े बोरिंग हो सकते हैं, लेकिन ये मेच्योर व एलिगेंट भी होते हैं। इन्हें ट्राउजर्स के साथ पहना जा सकता है। अगर ज्यादा फॉर्मल टच नहीं चाहते, तो कट-ऑफ जींस के साथ इन्हें कैरी करें।

अपनाए स्पोर्टी लुक

ये फुटवियर्स इन दिनों ट्रेंड में हैं। फिलहाल ये कई कलर्स में आ रहे हैं और इन्हें पहनने वाले अक्सर कॉन्फिडेंट होते हैं। अगर आप इन्हें डेट के लिए पहन रहे हैं, तो थोड़ा स्पोर्टी लुक आजमा सकते हैं। थोड़ी-सी शाइनिंग और कलर आपके लुक को सही ड्रमैटिक टच देगा। अगर आपकी डेट किसी अच्छे रेस्तरां में है, तो सॉफ्ट फ्रंट और हल्की राउंड शेप वाले शूज कैरी करें।

राइट चॉइस

अगर ये लेस-अप्स नहीं हैं और एंकल से ऊपर नहीं जा रहे हैं, तो इन्हें पहनने वाला अपने में खोया रहने वाला होता है। फिर इस नमी वाले मौसम में ये तो ये शूज बिलकुल राइट चॉइस नहीं कहे जा सकते। वैसे, जब कोई पुरुष एंकल से ऊपर शूज पहन रहा होता है, तो इसका मतलब है कि वह एक एक्सट्रीम स्टाइल स्टेटमेंट बनाने की पूरी कोशिश कर रहा है।

व्हाइट रनिंग शूज से परहेज

ये शूज स्पोर्ट्स के लिए होते हैं और इन्हें इसी तक ही लिमिटेड रखें। इन्हें रेग्युलर पहनने वाले आलसी और अपने लुक पर ध्यान न देने वाले होते हैं। खासतौर पर तब, जब आप किसी भी तरह के लोअर के साथ इन्हें पहनते हैं। फिर दिल्ली जैसे शहर में तो इन्हें

न्यूज इन शॉर्ट

विश्वकर्मा पूजा पर खुलेगा बैलाडीला का रास्ता, सैलानी देख सकेंगे खदानों का रोमांच

17 सितंबर को आम नागरिकों और पर्यटकों को मिलेगा प्रवेश, पहाड़, बादल, हरियाली और विशालकाय मशीनें रहेंगी आकर्षण का केंद्र

दंतेवाड़ा। बैलाडीला की खूबसूरत पहाड़ियों और लौह अयस्क खदानों को करीब से देखने का इंतजार कर रहे सैलानियों के लिए अच्छी खबर है। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर 17 सितंबर को बैलाडीला खदान क्षेत्र आम नागरिकों और पर्यटकों के लिए खोले जाने की तैयारी है। कोरोना काल के बाद लंबे समय से खदान क्षेत्र में आम लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध था। अब एक बार फिर लोगों को बैलाडीला के प्राकृतिक सौंदर्य और खनन गतिविधियों को करीब से देखने का मौका मिलेगा। विश्वकर्मा पूजा के दिन किरंदुल-बैलाडीला में सैलानियों की अच्छी खासी भीड़ पहुंचने की संभावना है। बादलों से घिरी पहाड़ियां, हरी-भरी वादियां, घुमावदार रास्ते और विशालकाय माइनिंग मशीनें पर्यटकों के लिए खास आकर्षण रहेंगी। कैलाश नगर स्थित भोलेनाथ मंदिर में दर्शन के साथ लोग बैलाडीला की खूबसूरत वादियों का भी आनंद ले सकेंगे। संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, यातायात और पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी तैयारी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, एनएमडीसी की ओर से निर्धारित स्थानों से खदान क्षेत्र तक लोगों के लिए निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। इससे बड़ी संख्या में पहुंचने वाले पर्यटकों को सुविधा मिलने की उम्मीद है। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर खदान क्षेत्र में मशीनों और भारी उपकरणों की पूजा भी होगी। ऐसे में पर्यटकों को एक ही दिन में आस्था, प्रकृति और आधुनिक खनन तकनीक का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। दंतेवाड़ा जिले के पर्यटन नक्शे पर बैलाडीला पहले से ही अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए खास पहचान रखता है। इस बार खदान क्षेत्र खुलने की खबर से स्थानीय लोगों के साथ आसपास के जिलों और पड़ोसी राज्यों से आने वाले सैलानियों में भी उत्साह है।
फोटो कैप्शन- बैलाडीला की पहाड़ियों में बादलों के बीच खदान क्षेत्र और प्राकृतिक सौंदर्य का मनमोहक दृश्य।

स्कूल के 100 मीटर दायरे में कथित अवैध शराब कारोबार! छात्राओं की सुरक्षा पर सवाल, आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली कटघरे में

रघुनाथनगर। बभनी रोड स्थित स्कूल के आसपास कथित रूप से अवैध शराब निर्माण और बिक्री का मामला स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों और अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल से लगभग 100 मीटर के दायरे में कुछ घरों में शराब बनाने और बेचने का कार्य किया जा रहा है, जिससे स्कूली बच्चों, विशेषकर छात्राओं को प्रतिदिन असुविधा और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चे घर से शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से स्कूल आते हैं, लेकिन स्कूल के आसपास कथित रूप से शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। कई अभिभावकों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूल के आसपास का माहौल बच्चों के अनुकूल नहीं दिखाई देता। शराब की गंध और नशे में घूमने वाले लोगों की मौजूदगी से छात्र-छात्राओं के साथ-साथ राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।सबसे बड़ा सवाल- स्कूल के आसपास ऐसा माहौल कैसे?यदि स्थानीय लोगों के आरोप सही हैं, तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि स्कूल के आसपास इस तरह की गतिविधियां लंबे समय से कैसे संचालित हो रही हैं? क्या संबंधित विभागों को इसकी जानकारी नहीं है, या शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है?ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल के सामने या उसके आसपास यदि इस प्रकार का कथित अवैध कारोबार संचालित हो रहा है, तो अन्य क्षेत्रों की स्थिति का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। इससे बच्चों के भविष्य और सुरक्षा दोनों पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं।शाला प्रबंधन और विभागीय निगरानी पर भी उठे प्रश्नइस पूरे मामले में शाला प्रबंधन की भूमिका को लेकर भी चर्चा हो रही है। अभिभावकों का कहना

जशपुर में जनजातीय पर्यटन को बड़ी सौगात, पीएम-जुगा के तहत क्लस्टर होमस्टे परियोजना को मिली मंजूरी

जशपुर में जनजातीय पर्यटन को बड़ी सौगात, पीएम-जुगा के तहत क्लस्टर होमस्टे परियोजना को मिली मंजूरी

बगीचा-मयाली-जशपुर क्षेत्र के 6 जनजातीय गांवों में विकसित होंगे 30 होमस्टे, स्थानीय परिवारों को पर्यटन से मिलेगा सीधा रोजगार और आय के नए अवसर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

- जनजातीय संस्कृति और स्थानीय आजीविका को पर्यटन से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता-पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल
- छत्तीसगढ़ में जनजातीय पर्यटन को नई ऊंचाई देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पर्यटन से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएम-जुगा) के अंतर्गत जशपुर जिले के बगीचा-मयाली-जशपुर क्लस्टर में क्लस्टर आधारित होमस्टे परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना के माध्यम से जनजातीय अंचल के गांवों में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने के साथ-साथ स्थानीय परिवारों को पर्यटन गतिविधियों से सीधे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। जनजातीय संस्कृति और स्थानीय आजीविका को पर्यटन से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता-पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल परियोजना के तहत किकेल, कमतरा, डंगरी, महनई, सरुधाप और पंडरापाठ सहित 6 जनजातीय गांवों में कुल 30 नए होमस्टे विकसित किए जाएंगे। प्रत्येक गांव में 5 होमस्टे तैयार किए जाने का प्रस्ताव है। इस क्लस्टर के विकास पर लगभग 1.80 करोड़ रुपये व्यय प्रस्तावित है। इसमें होमस्टे निर्माण के साथ गांव स्तर पर आवश्यक सामुदायिक सुविधाओं के विकास का भी प्रावधान किया गया है।

पर्यटक जशपुर को सिर्फ देखेंगे नहीं, यहां के जीवन को भी अनुभव करेंगे

यह परियोजना पारंपरिक होटल आधारित पर्यटन से आगे बढ़कर कम्यूनिटी बेस्ड को प्रोत्साहित करेगी। होमस्टे के माध्यम से पर्यटकों को स्थानीय परिवारों के बीच रहकर जशपुर की जनजातीय संस्कृति, खान-पान, लोक परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और ग्रामीण जीवन को करीब से जानने और अनुभव करने का अवसर मिलेगा। इससे पर्यटन से होने वाली आय का सीधा लाभ स्थानीय परिवारों तक पहुंचेगा। स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।
प्रस्तावित होमस्टे स्थानीय परिवेश और पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रत्येक गांव में सामुदायिक स्तर की सुविधाओं के लिए 5 लाख रुपये तक के कार्य प्रस्तावित हैं। इन सुविधाओं से

संयम, तप, त्याग और आत्मशुद्धि के दस दिवसीय महापर्व में गूंजेगा अहिंसा और क्षमा का संदेश

आज से शुरू हुआ जैन समाज का पर्युषण राज पर्व

एक सत बुलेटिन ➤ मनेंद्रगढ

जैन समाज के सबसे पवित्र एवं महत्वपूर्ण पर्व पर्युषण राज महापर्व का शुभारंभ आज से हो गया। दस दिवसीय इस आध्यात्मिक पर्व के दौरान जैन अनुयायी संयम, तप, त्याग, आत्मचिंतन और साधना के माध्यम से कर्मों की निर्जरा तथा आत्मशुद्धि का प्रयास करेंगे। भगवान महावीर स्वामी द्वारा बताए गए अहिंसा, सत्य, संयम और आत्मकल्याण के मार्ग को जीवन में उतारना इस पर्व का प्रमुख उद्देश्य है।पर्युषण पर्व को जैन धर्म में आत्मनिरीक्षण और आत्मशुद्धि का अवसर माना जाता है। इन दस दिनों में जैन समाज के श्रद्धालु विभिन्न धार्मिक क्रियाओं, पूजन, विधान, स्वाध्याय, तपस्या एवं संयम का पालन करते हुए अपने जीवन में व्याप्त क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे कषायों को कम करने का संकल्प लेते हैं।जैन अनुयायी राजेश कुमार जैन ने बताया कि पर्युषण राज महापर्व जैन समाज का सबसे बड़ा आध्यात्मिक पर्व है। यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि स्वयं को भीतर से बदलने, आत्मचिंतन करने और जीवन को धर्म एवं सदाचार की दिशा में ले जाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि दस धर्मों की साधना मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाने के साथ आत्मकल्याण की

दिशा में प्रेरित करती है।

दस धर्म देते हैं जीवन को नई दिशा

पर्युषण पर्व के दौरान जैन धर्म के दस उत्तम धर्मों का विशेष रूप से चिंतन एवं पालन किया जाता है–
उत्तम क्षमा – क्रोध का त्याग कर समता एवं क्षमा का भाव धारण करना।
उत्तम मार्दव – अहंकार, अभिमान और गर्व का त्याग कर विनम्रता अपनाना।
उत्तम आर्जव – छल-कपट और मायाचारी से दूर रहकर मन, वचन और कर्म में सरलता एवं ईमानदारी रखना।
उत्तम शौच – लोभ का त्याग कर संतोष धारण करना तथा बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक पवित्रता की ओर बढ़ना।
उत्तम सत्य – असत्य का त्याग कर सत्य का मार्ग अपनाना और संयमित वाणी का प्रयोग करना।
उत्तम संयम – इंद्रियों पर नियंत्रण रखते हुए सभी जीवों के प्रति दया, करुणा और अहिंसा का भाव रखना।
उत्तम तप – आत्मशुद्धि एवं कर्मों की निर्जरा के लिए तप, साधना और आत्मचिंतन करना।
उत्तम त्याग – दान, सेवा और सांसारिक वस्तुओं के मोह से स्वयं को मुक्त करने का प्रयास करना।
उत्तम आकिंचन्य – परिग्रह एवं तृष्णा का त्याग कर यह भाव रखना कि अत्यधिक संग्रह ही दुख का कारण बनता है।
उत्तम ब्रह्मचर्य – विकारों से स्वयं को दूर रखते हुए आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना में मन लगाना।
जिनालयों में होंगे विशेष धार्मिक आयोजन
पर्युषण राज पर्व के दौरान जैन मंदिरों एवं जिनालयों में प्रातःकाल से ही धार्मिक आयोजनों का सिलसिला शुरू होगा। श्रद्धालुओं द्वारा श्रीजी का अभिषेक, वृहद शांति धारा, अष्टद्रव्य पूजन एवं विभिन्न धार्मिक

पीएम मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल और जन्मदिवस पर दीये जलाने की अपील

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आगामी 17 सितंबर को जन्मदिवस और सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों के निरंतर सेवाकाल पूर्ण होने के पावन अवसर पर प्रदेशभर में उत्साह का माहौल है। इस अवसर को खास बनाने और प्रधानमंत्री के स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना के लिए राजस्व एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने प्रदेशवासियों से 17 सितंबर की संध्या अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलित करने की अपील की है। माटी के शिल्पकारों को संबल देने और 'जनभागीदारी' का संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से मंत्री श्री वर्मा ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के तिल्दा क्षेत्र स्थित मोहभट्ठा पारा

सूरज की रोशनी से रोशन हुई स्वास्थ्य सेवाएं, 7.2 किलोवाट सौर संयंत्र ने जनकपुर अस्पताल को दी बिजली की मजबूती

डीएमएफ की 26.05 लाख रुपये की लागत से दूरस्थ वनांचल में स्वास्थ्य सुविधाओं को मिला नया संबल, वैक्सीन और जरूरी दवाइयों की सुरक्षा भी हुई आसान

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और सुचारू बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल अब धरातल पर असर दिखा रही है। जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जनकपुर, विकासखंड भरतपुर में स्थापित 7.2

किलोवाट क्षमता के सौर संयंत्र ने अस्पताल की विद्युत व्यवस्था को मजबूती दी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत इस कार्य पर 26.05 लाख रुपये की लागत आई है। जिला मुख्यालय से लगभग 110 किलोमीटर दूर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जनकपुर आसपास के दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के लोगों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केन्द्र है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण उपचार के लिए पहुंचते हैं। अस्पताल में मरीजों के उपचार के साथ-साथ विभिन्न आवश्यक चिकित्सा उपकरणों, डीप फ्रीजर और अन्य व्यवस्थाओं के संचालन के लिए नियमित बिजली आपूर्ति जरूरी है।

बिजली बाधित होने से रहती थी परेशानी

सौर संयंत्र की स्थापना से पहले बिजली की अनियमितता के कारण स्वास्थ्य केन्द्र में कई बार चिकित्सकीय सेवाओं के संचालन में व्यवधान की स्थिति बनती थी। विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर मरीजों के साथ अस्पताल के स्टॉफ को भी परेशानी का सामना करना पड़ता था। सबसे महत्वपूर्ण चुनौती टीकों एवं आवश्यक दवाइयों को सुरक्षित तापमान

एमसीबी के युवाओं को मिलेगा राष्ट्रीय मंच, 'यंग लीडर डायलॉग' बनेगा नई उड़ान

एमसीबी। कलेक्टर तथा जिला सलाहकार समिति (माय भारत) की अध्यक्ष सुश्री संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मेरा युवा भारत (माय भारत) के अंतर्गत 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के आयोजन एवं युवाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।जिला युवा अधिकारी सुश्री चहल केलाशिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' युवाओं को अपनी प्रतिभा, विचार और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान करेगा। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों से अपील की गई कि वे अपने विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, ग्राम पंचायतों, गैर-सरकारी संगठनों तथा अन्य ज्ञान संस्थानों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रेरित

जनभागीदारी से सफल होगा सेवा संकल्प अभियान

हर गांव और हर नागरिक तक पहुंचे सेवा और सुशासन का संदेश - मंत्री श्री बघेल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री सूरजपुर जिले के प्रभारी। मंत्री श्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान के सफल संचालन को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैंकरा सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।मंत्री श्री बघेल ने अभियान की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनभागीदारी के साथ सेवा संकल्प अभियान को जिले के प्रत्येक गांव, पंचायत , हर नागरिक तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा के अवसर पर आयोजित होने वाले इस

अभियान को व्यापक स्वरूप देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को इससे जोड़ना है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि अभियान के तहत कहानी बदलाव की को जन-जन तक पहुंचाएं। लोगों को बताएं कि पहले परिस्थितियां कैसी थीं और आज विकास एवं जनकल्याण की दिशा में क्या बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही अभियान की सार्थकता है।मंत्री ने पंचायत स्तर तक शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी पहुंचाने के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में भी बेहतर एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण, सेवा सेतु अभियान सरकार,आपके द्वार सहित जनहित से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने की बात कही।
मंत्री श्री बघेल ने बैठक में 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत,सेवा ज्योति यात्रा, सेवा मेरा योगदान सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि सभी कार्यक्रमों को भव्य, गरिमामय एवं जनभागीदारीपूर्ण बनाएं, ताकि सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण का संदेश व्यापक स्तर पर पहुंचे।उन्होंने पदाधिकारियों एवं अधिकारियों से कहा कि सभी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान की गतिविधियों को सफल बनाएं। विकसित भारत के निर्माण में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने जिले में सेवा संकल्प अभियान का सफल एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को पूरी गंभीरता और सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाली गतिविधियों को क्रमवार विस्तार पूर्वक जानकारी दी।बैठक मे वानमंडलधिकारी श्री विपुल अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले, सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।